राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 13, अंक 247 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 28 जून 2024 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

पुंछ में दिल का दौरा पड़ने से सेना के जवान की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में दिल का दौरा पड़ने से सेना के एक जवान की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि पुंछ जिले के सागर मनकोट में सेना के आधार शिविर में सूबेदार अनिल राघव को दिल का दौरा पड़ा और उनकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया, उन्हें सीने में दर्द की शिकायत थी और दिल की धड़कन रुकने से उनकी मौत हो गई। सुरक्षा बल जम्मू संभाग के पुंछ, राजौरी, किश्तवाड़, डोडा और रियासी जिलों में आतंकवाद विरोधी अभियान के तहत आतंकवादियों की तलाश कर रहे हैं। शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि इन जिलों में करीब 70 विदेशी आतंकवादियों का एक समूह सक्रिय है, जो सुरक्षा बलों पर हमले करने के अलावा निर्दोष नागरिकों को निशाना बना रहा है। इन इलाकों से आतंकवाद को खत्म करने के लिए एक बहुआयामी रणनीति बनाई गई है।

ग्वालियर में छात्र ने पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर से की खुदकुशी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश में एक और छात्र के आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। ग्वालियर में एक छात्र ने अपने पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। ग्वालियर के महाराजपुरा इलाके की गुरु कृपा कॉलोनी में रहने वाले 17 वर्षीय मोहित लोधी ने मंगलवार की रात अपने घर पर पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने रिवॉल्वर सहित अन्य सामग्रियां जब्त कर कर ली हैं। आत्महत्या की वजह का अभी खुलासा नहीं हो पाया है। बताया गया है कि जिस समय मोहित ने खुद को गोली मारी उस समय घर पर कोई नहीं था। वह पिछले कुछ दिनों से परिवार के सदस्यों से किसी बात को लेकर नाराज चल रहा था और आशंका जताई जा रही है कि उसने यह कदम इसी वजह से उठाया है। इससे पहले इंदौर में भी दो ऐसे मामले सामने आए थे जहां छत से कूदकर आत्महत्या की गई। सातवीं में पढ़ने वाली 14 साल की एक लड़की ने एक इमारत की ऊपरी मंजिल पर जाकर छलांग लगा दी थी और उसकी मौत हो गई थी।

टैंकर में पीछे से घुसी कार, 3 की मौत

सीहोर। जिले के आष्टा में इंदौर-भोपाल हाईवे पर भोपाल के कार सवार 3 दोस्तों की सड़क हादसे में मौत हो गई। इंदौर से लौट रहे तीनों युवकों ने देवास के पास किसी ढाबे में खाना खाया था। वहां एक दोस्त मोबाइल छूट गया था। जिसे वापस लेने के लिए गए थे। इस दौरान रात 12 से 1 बजे के बीच किलेरामा के पास उनकी तेज रफ्तार कार पहले पीछे से दूध के टैंकर में जा टकराई। फिर बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गई। जिससे तीनों की मौत हो गई। आष्टा के पार्वती थाना प्रभारी चिन्मय मिश्रा ने बताया- घटना में भोपाल के खारखेड़ी निवासी कार सवार महेश ठाकुर (42), रूप सिंह ठाकुर (42) निवासी खजूरी खुर्द भोपाल।

अभिभाषण में सरकार का रोडमैप भी बताया

राष्ट्रपति ने आपातकाल को बताया संविधान का काला अध्याय

नई दिल्ली/ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली नवनिर्वाचित सरकार की प्राथमिकताओं को सामने रखा। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद की संयुक्त बैठक में मुर्मू का यह पहला संबोधन है। नई लोकसभा का पहला सत्र गत सोमवार को शुरू हुआ था। इसके अलावा राज्यसभा का 264वां सत्र 27 जून से शुरू होगा। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने आपातकाल पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ महीनों में भारत एक गणतंत्र के रूप में 75 वर्ष पूरे करने जा रहा है। भारतीय संविधान ने बीते दशकों में हर चुनौती और कसौटी पर खरा उतरा है। देश में संविधान लागू होने के बाद भी संविधान पर कई हमले हुए हैं। 25 जून 1975 को लागू किया गया आपातकाल संविधान पर सीधा हमला था। जब इसे लगाया गया तो पूरे देश में हाहाकार मच गया था, लेकिन देश ने ऐसी असंवैधानिक ताकतों पर विजय प्राप्त की है। मेरी सरकार भी भारतीय संविधान को सिर्फशासन का माध्यम नहीं बना सकती। हम अपने संविधान को जनचेतना का हिस्सा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इसी के साथ मेरी सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है। हमारे जम्मू-कश्मीर में संविधान पूरी तरह लागू किया गया है, जहां अनुच्छेद 370 के कारण स्थिति अलग थी। उन्होंने कहा कि मैं 18वीं लोक सभा के सभी नव निर्वाचित सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई और

शुभकामनाएं देती हूं। आप सभी यहां देश के मतदाताओं का विश्वास जीतकर आए हैं। देशसेवा और जनसेवा का ये सौभाग्य बहुत कम लोगों को मिलता है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अपना दायित्व निभाएंगे।140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बनेंगे। उन्होंने कहा कि ये दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। करीब 64 करोड़ मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ अपना कर्तव्य निभाया है। इस बार भी महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर मतदान में हिस्सा लिया है। इस चुनाव की बहुत सुखद तस्वीर जम्मू-कश्मीर से भी सामने आई है। कश्मीर घाटी में वोटिंग के अनेक दशकों के रिकॉर्ड टूटे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव की चर्चा आज पूरी दुनिया में है। दुनिया देख रही हैं कि भारत के लोगों ने लगातार तीसरी बार स्थिर और स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई है। छह दशक बाद ऐसा हुआ है। ऐसे समय में जब भारत के लोगों की आकांक्षाएं सर्वोच्च स्तर पर हैं, लोगों ने मेरी सरकार पर लगातार तीसरी बार भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार का मत है कि दुनियाभर से निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्यों में स्वस्थ स्पर्धा हो। यही कंपटीटिव को-ऑपरेटिव फेडरलिज्म की सच्ची स्पिरिट है। राज्य के विकास से देश का विकास, इसी भावना के साथ हम आगे बढ़ते रहेंगे।

भारत दुनिया को समाधान देने के लिए जाना जाता है

राष्ट्रपति ने कहा कि आज का भारत, दुनिया की चुनौतियां बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि दुनिया को समाधान देने के लिए जाना जाता है। विश्व-बंधु के तौर पर भारत ने अनेक वैश्विक समस्याओं के समाधान को लेकर पहल की है। जलवायु परिवर्तन से लेकर खाद्य सुरक्षा तक, पोषण से लेकर सस्टेनबल एग्रीकल्चर तक हम अनेक समाधान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाला समय हरित युग का है। मेरी सरकार इसके लिए भी हर जरूरी कदम उठा रही है। हम हरित उद्योगों पर निवेश बढ़ा रहे हैं, जिससे हरित जॉब भी बढ़े हैं। हरित ऊर्जा हो या फ्रि ग्रीन मोबिलिटी, हर मोर्चे पर हम बड़े लक्ष्यों के साथ काम कर रहे हैं।

नाबालिग से छेड़छाड़ का मामला

बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दायर

बंगलूरू। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के खिलाफ छेड़छाड़ के आरोपों की जांच कर रहे अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने पॉक्सों मामलों की सुनवाई कर रही विशेष अदालत में गुरुवार को आरोप-पत्र दायर किया। इस साल मार्च में सदाशिवनगर पुलिस ने भाजपा के वरिष्ठ नेता के खिलाफछेड़छाड़ का मामला दर्ज किया था। इसके बाद राज्य के पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन ने इस मामले को आगे की जांच के लिए सीआईडी को सौंपने का आदेश जारी किया था। मामला एक नाबालिग लड़की 17 वर्षीय की मां के शिकायत के

आधार पर दर्ज किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि येदियुरप्पा ने इस साल दो फरवरी को यहां डॉलर्स कॉलोनी में अपने आवास पर एक बैठक के दौरान उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की। हालांकि, येदियुरप्पा ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को खारिज किया।

बेंगलुरु में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लोकसभा में विपक्ष के नेता चुने जाने पर बेंगलुरु सिटी यूथ कांग्रेस के सदस्यों ने लोगों को मिठाई बांटी।

फॉलोअप जांच कराने की दी सलाह

एलके आडवाणी को एम्स से मिली छुट्टी...

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को एम्स नई दिल्ली से छुट्टी मिल गई है। दिल्ली एम्स के प्राइवेट वार्ड से लालकृष्ण आडवाणी अपने सरकारी आवास के लिए रवाना हो गए हैं। डॉक्टर ने उन्हें फॉलोअप में आने के लिए सलाह दी है। बुधवार को उनकी तबीयत बिगड़ गई। 96 वर्षीय आडवाणी को बुधवार देर रात दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया। उन्हें एम्स के जिरियाट्रिक डिपार्टमेंट के डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया था। जानकारी के मुताबिक, बुधवार रात करीब साढ़े

दस बजे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उन्हें भर्ती कराया गया। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को उम्र संबंधी परेशानियों के चलते अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

मोदी सरकार की बढ़ेगी टेंशन

संसद के दोनों सदनों में नीट का मुद्दा उठाएगा विपक्ष.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

विपक्षी इंडिया गठबंधन ने गुरुवार को कहा कि वह शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों में नीट विवाद पर स्थगन प्रस्ताव लाएगा। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर इंडिया गठबंधन दलों की बैठक में यह फैसला लिया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर बहस के दौरान विपक्ष नीट, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, सीबीआई, ईडी और राज्यपाल कार्यालय के कथित दुरुपयोग पर मुद्दे उठाएगा। विपक्षी सदस्य शुक्रवार को संसद परिसर में गांधी प्रतिमा पर एकत्र

होंगे। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि बैठक में आज कई मुद्दों पर चर्चा हुई। संसद में सभी मुद्दों पर बहस होगी चाहे राष्ट्रपति का अभिभाषण हो या स्पीकर का चुनाव। डीएमके सांसद टी शिवा ने एएनआई को बताया, ''हम कल एनईईटी मुद्दे पर (संसद में) नोटिस देंगे।'' राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल ने कहा कि विपक्ष एकजुट है और वह संसद में नीट, अग्निवीर, महंगाई और बेरोजगारी तथा एमएसपी का मुद्दा उठाएगा। इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने भी सोमवार से राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में भाग लेने का फैसला किया संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन के बाद उनके अभिभाषण की प्रति बृहस्पतिवार को लोकसभा के पटल पर रखी गई। और फ्रि सदन की कार्यवाही शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

बिहार में मीडियाकर्मी की चाकू गोदकर हत्या, पुलिस जांच में जुटी

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मनियारी थाना क्षेत्र में अज्ञात अपराधियों ने सोशल मीडिया (यूट्यूब) से जुड़े एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। हत्या के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। पुलिस के मुताबिक, मनियारी थाना क्षेत्र के मरीपुर गांव निवासी शिव शंकर झा अपनी बाइक से मंगलवार की देर रात घर जा रहे थे, तभी गांव के शिव मंदिर के पास अज्ञात अपराधियों ने उनकी बाइक रोक कर चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी। फिलहाल घटना के कारणों के बारे में स्पष्ट रूप से पता नहीं चल सका है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। मनियारी थाना के सब इंस्पेक्टर जय शंकर राम ने बुधवार को बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

उद्धव ठाकरे ने दिया सुझाव

महाराष्ट्र में भी लाडली बहना योजना लागू की जाए-ठाकरे

महाराष्ट्र/ एजेंसी

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को राज्य में लाडली बहना जैसी योजना लागू करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले का समर्थन किया और पुरुषों के लिए भी इसी तरह की नीति की मांग की। उद्धव ठाकरे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि चूंकि सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं शुरू करने की योजना बना रही है, जिनमें से एक मध्य प्रदेश की तरह लाडली बहना योजना है, मैं इसका स्वागत करता हूं और पूछता हूं कि इस योजना को लड़कों के लिए भी बढ़ाया

जाए। भेदभाव क्यों? लड़कियों और लड़कों दोनों को इसका लाभ मिलना चाहिए। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन शिवसेना (एकनाथ शिंदे), राकांपा (अजित पवार) और भाजपा शामिल हैं। इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए इस योजना को शुरू करने की योजना बना रहे हैं। पिछले साल मध्य प्रदेश चुनाव में बीजेपी की सत्ता में वापसी के पीछे लाडली बहना योजना को माना जाता है। योजना के तहत महिलाओं को मासिक आधार पर 1,200 रुपये से 1,500 रुपये मिलने की उम्मीद है। उम्मीद है कि एकनाथ शिंदे शुक्रवार (28 जून) को पेश होने वाले राज्य बजट में इस योजना की घोषणा करेंगे। उद्धव ठाकरे ने राज्य विधानसभा चुनाव से पहले कृषि ऋण की पूर्ण माफी और इसे लागू करने की भी मांग की।

साय सरकार का पहला जनदर्शन

जनदर्शन में देखने को मिली मुख्यमंत्री साय की संवेदनशीलता

■ अनवरत पांच घंटे आम लोगों से मिले और उनकी समस्याएं सुनीं

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का राज्य की जनता को स्वच्छ, पारदर्शी, संवेदनशील एवं प्रभावी प्रशासन मुहैया कराने का संकल्प एक-एक कर अमल में दिखाई देने लगा है। सत्ता की बागडोर सम्भालने के बाद से ही शासन-प्रशासन को जनता के करीब लाने की मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की इच्छा आज जनदर्शन में पूरी होती दिखी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य में जनसमस्याओं की सुनवाई के लिए नये सिरे से जनदर्शन कार्यक्रम की शुरूआत की है। जनदर्शन का यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में 27 जून गुरूवार को आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जनदर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के दूर-दराज से आए हजारों लोगों से एक-एक कर मुलाकात की। बड़े ही अपनत्व भाव से उन्होंने आम जनमानस की समस्याएं और उनकी अपेक्षाएं सुनी और विभागीय अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों को तत्परता से निपटाने के निर्देश दिए। आज 27 जून को मुख्यमंत्री जनदर्शन का पहला कार्यक्रम हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोग अपने आवेदनों और समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री श्री साय से मिलने रायपुर स्थित उनके कार्यालय पहुंचे थे। जनदर्शन का समय पूर्वान्ह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक निर्धारित था, परन्तु कार्यक्रम में

बड़ी संख्या में जनसामान्य की मौजूदगी को देखते हुए मुख्यमंत्री ने न सिर्फ जनदर्शन कार्यक्रम की निर्धारित समयावधि को बढ़ाया, बल्कि स्वयं कार्यक्रम में यह बात कही कि लोगों को परेशान होने की जरूरत नहीं है, यहां आए प्रत्येक व्यक्ति से वह मिलेंगे और उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को सुनेंगे। यही वजह है कि मुख्यमंत्री जनदर्शन का यह कार्यक्रम पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक अनवरत पांच घंटे चला। मुख्यमंत्री श्री साय इस दौरान सभी आयु वर्ग के लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी। मुख्यमंत्री श्री साय का लोगों के प्रति अपनेपन का भाव एवं संवेदनशीलता ने जनमानस की शासन-प्रशासन से दूरी को मिटा दिया है। जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एक ओर जहां विभिन्न बीमारियों से पीड़ित लोगों के समुचित इलाज और मदद के लिए अधिकारियों को निर्देश देते दिखे, वहीं दिव्यांग और निशक्तजनों के बीच पहुंचकर न सिर्फ उनकी समस्याएं सुनी, बल्कि उन्हें आवश्यक उपकरण, ट्राईसायकल आदि की सौगातें दी। मुख्यमंत्री इस दौरान उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए इच्छुक युवाओं के लिए भी आवश्यक प्रबंध करने के लिए तत्परता से अधिकारियों को निर्देशित करते दिखे। जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें अपनी समस्याएं बताने को लेकर लोग काफी उत्साहित थे।

मुख्यमंत्री जनदर्शन में दिव्यांग बलराम और रोहित को ट्रायसाइकिल की सौगात

जनदर्शन कार्यक्रम में बलराम और रोहित को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के हाथों आईस बॉक्स युक्त ट्रायसाइकिल की सौगात मिली। दिव्यांग बलराम और रोहित आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय रायपुर में आयोजित मुख्यमंत्री के जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे थे। मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्होंने आईस बॉक्स युक्त ट्रायसाइकिल दिलाए जाने का आग्रह किया, ताकि इसका उपयोग फेरी वाले रोजगार व्यवसाय में कर सके अपना जीवकोपार्जन कर सके। दिव्यांग बलराम बेमेतरा जिले के परसबोड़ और रोहित कुमार भोथीडीह के रहने वाले है। मुख्यमंत्री ने दोनों दिव्यांग युवाओं की रोजगार व्यवसाय करने की ललक की सराहना की और उन्हें आईस बॉक्स युक्त ट्रायसाइकिल प्रदान करने के साथ ही उन्हें शुभकामनाएं दी।

संक्षिप्त समाचार

बसना कालेज में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु प्रवेश सूची जारी

बसना (समय दर्शन)। स्व. श्री जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय बसना में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए प्रवेश सूची जारी कर दी गई है। बीए प्रथम वर्ष प्रवेश हेतु-250 छात्र छात्राओं की सूची, बीएससी (गणित) प्रथम वर्ष प्रवेश हेतु- 40 छात्र छात्राओं की सूची बीएससी प्रथम वर्ष प्रवेश सूची -144 छात्र छात्राओं की सूची एवं बी कॉम प्रथम वर्ष प्रवेश हेतु- 60 छात्र छात्राओं की सूची जारी की गयी है । प्रथम वर्ष के प्रवेश हेतू आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रवेश समिति के समक्ष अपने पालक के साथ उपस्थित होकर निर्धारित अंतिम तिथि 08 जुलाई 2024 तक प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। उक्त अंतिम तिथि पश्चात् प्रवेश सूची स्वमेव निरस्त हो जायेगी।

अपने साथ लाने वाले आवश्यक दस्तावेजों की सूची:-

(1.) मूल स्थानांतरण प्रमाण पत्र
(2.) चरित्र प्रमाण पत्र
(3.) जाति प्रमाण पत्र
(4.) मूल निवास प्रमाण पत्र
(5.)10 वीं एवं 12 वीं की अंकसूची
(6.) आधार कार्ड
(7.) ऑनलाइन आवेदन पत्र
(8.)माईग्रेशन प्रमाण पत्र
(9)एन सी सी,एन एस एस,स्पोर्ट्स से संबंधित सर्टिफिक्रेट

लालबाग थाना प्रभारी को हटाने की मांग, भाजयुमो ने सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव। जिला भारतीय जनता युवा मोर्चा ने राजनांदगांव ग्रामीण के थाना लालबाग प्रभारी को तत्काल हटाए जाने की मांग की है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष मोनू बहादुर सिंह ने इस संबंध में कहा कि, थाना लालबाग प्रभारी अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाह हैं। वे क्षेत्र की जनता की समस्याओं को सुनने, आपात स्थिति में उनतक पहुंचने और सहायता मुहैया कराने जैसे विषयों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। थाना क्षेत्र की जनता में उनके प्रति आक्रोश पनप रहा है जो कि लॉ एंड ऑर्डर के लिए उचित नहीं है। उन्होंने बताया किए हमने इन विषयों को लेकर आज पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर थाना लालबाग प्रभारी हो हटाने की मांग की है। भाजयुमो ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि, वर्तमान थाना लालबाग प्रभारी की कार्यशैली क्षेत्र की जनता के लिए मुश्किल पैदा कर रही है। वे लोगों से न ही मिलते हैं और न ही फोन पर उपलब्ध होते हैं। गंभीर यह है कि, वे पुलिस प्रशासन द्वारा मुहैया कराए गए शासकीय फोन नंबर को भी बंद रखते हैं, जबकि क्षेत्र की जनता के बीच पुलिस प्रशासन ने यही नंबर साझा कर रखा है, ताकि आपात स्थिति में, किसी वाद-विवाद की स्थिति में थाना प्रभारी को सही समय पर जानकारी दी जा सके और पुलिस की सहायता मिल सके। कहा गया है कि, प्रकरणों के संदर्भ में शिकायतकर्ताओं द्वारा मांगी जाने वाली जानकारी भी उनके द्वारा नहीं दी जाती है। क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधि व जनप्रतिनिधियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में गैरकानूनी गतिविधियों, असामाजिक तत्वों और परिस्थितियों के संदर्भ में सूचित किए जाने पर भी थाना प्रभारी द्वारा त्वरित कार्रवाई नहीं की जाती। जिला भाजयुमो अध्यक्ष मोनू बहादुर ने कहा कि, थाना लालबाग प्रभारी के विरुद्ध निरंतर शिकायतें आ रही हैं। वे अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों में असफल साबित हो रहे हैं। क्षेत्र के लोगों में उनके प्रति आक्रोश है। थाना प्रभारी के गैरजिम्मेदार व्यवहार और कार्यशैली से थानाक्षेत्र में कानूनी मदद मुहैया नहीं हो पा रही है। उन्हें तत्काल हटाकर जिम्मेदार पुलिस अधिकारी की नियुक्ति की मांग पुलिस अधीक्षक से की गई है। इस दौरान युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मोनू बहादुर सिंह, दक्षिण मंडल अध्यक्ष प्रखर श्रीवास्तव, महामंत्री द्वय आशीष जैन, प्रह्लाद सिन्हा, नितेश नायक, सुवितेश श्रीवास्तव, रोहित सिन्हा, सौरभ सिंह राजपूत, आशीष सोरी सहित अन्य मौजूद थे।

मृतक के परिजन को मिली 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर ने दुर्घटना में मृतक के परिजन को 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्व बैंक कॉलोनी कुरूद भिलाई तहसील एवं जिला दुर्ग निवासी श्री नवजोत सिंह भुल्लर की विगत 13 सितंबर 2022 को नहर के पानी में डूबने से मृत्यु हो गयी थी। कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के अनुरूप स्व. नवजोत सिंह भुल्लर की माता श्रीमती जगदीश को 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

भंवरपुर मे वीरांगना महारानी दुर्गावती का बलिदान दिवस मनाया गया

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड अंतर्गत भंवरपुर मे महारानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज, अखिल भारतीय गोंडवाना गोंड़ समाज फुलझर राज्य, छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ एवं छत्तीसगढ़ क्रांति सेना भंवरपुर, बसना एवं सरायपाली के संयुक्त तत्वावधान में भंवरपुर स्थित वीरांगना महारानी दुर्गावती प्रतिमा स्मारक स्थल पर उनकी 460वीं बलिदान दिवस मनाया गया।

इस दौरान बैगा रामलाल के नेतृत्व में गोंडवाना आदिवासी समाज आराध्य देव भगवान बुद्वादेव की पूजा पाठ व मंगल आरती के साथ वीरांगना महारानी को श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

अजाक्स सदस्य उपेन्द नाग एवं समाज प्रमुखों ने बताया कि, भारत के इतिहास में ऐतिहासिक वीरता की अनेक गाथाओं का उल्लेख हैं। उन्हीं में से 15वीं शताब्दी की गढ़ मंडला गोंडवाना साम्राज्य की क्षत्राणी शौर्य वीरता, पराक्रम पराकाष्ठा नारीशक्ति प्रेरणापुंज त्याग की प्रतिमूर्ति गौड़ शासिका वीरांगना महारानी दुर्गावती मंडाबी ने अपनी आन बान शान से मातृभूमि, देश धर्म संस्कृति समाज सेवा और अपने प्रजा जनो की सतत रक्षा करतीं हुई 51 बार विदेशी मुगल आक्रमणकारी अकबर और असफ खान के सेना को युद्ध में परास्त की थीं। परंतु, 52वीं बार की युद्ध में महारानी के सैन्य संख्या बल मे कमी होने के कारण मुगल विधर्मियों से चारों तरफसे घिर गई। हार नहीं मानने वाली वीरांगना ने रणभूमि में रणचंडी मां भवानी की भांति युद्ध के महासंग्राम में क्षत्राणी धर्म का पालन करते हुए वे जीवित गुलामी स्वीकार नहीं करने की दृढ़ प्रतिज्ञा और आत्मसम्मान स्वाभिमान की रक्षा में 24 जून 1564 के दिन महारानी ने स्वयं अपनी छाती में कटार घोपकर आत्म बलिदान कर बलिदान की इतिहास में अमरता की एक नई इबारत लिख दी।

उनकी शौर्य वीरता व पराक्रम को सदैव चिर यादगार अमर बनाए रखने सर्व हेतु आदिवासी समाजजनों ने प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी बलिदान दिवस पर सामाजिक संगोष्ठी आयोजित कर स्मरण किया।

जहाँ सर्व आदिवासी समाज के युवाओं ने संगठन की एकता अखंडता का परिचय देते हुए गढ़ किला मैदान आदिवासी सामुदायिक भवन कृषि उपज मंडी प्रांगण से बाईक रैली निकालकर नगर के विभिन्न चौक चौराहों मार्गों से होकर मंडी प्रांगण में रैली सभा में परिवर्तित हुआ। जहां समाज प्रमुख शिक्षाविदों ने महारानी दुर्गावती के कुशल गोंडवाना साम्राज्य शासन व जीवनी वीरता पर प्रकाश डालते हुए सामाजिक समरसत्ता, सांगठनिक शैक्षणिक, आर्थिक, राजनैतिक उत्थान विकास विषयक संगोष्ठी पर अपने-अपने विचार रखें।

इस मौके पर प्रमुख रूप से गणेशराम सिदार- उदलसिंह पोते, उत्तमसिंह जगत, शुभसिंह जगत, करतालसिंह जगत, गोकुलसिंह, पारेश्वर फगुलाल बरिहा, देवकी दीवान, पुरुषोत्तम दीवान छत्तीसगढ़िया,उपेन्द नाग,ब्रिज सिदार, उत्तम चंद्रवंशी, विजय विशाल, घनश्याम सिदार, बैगा रामलाल बाघ, मुनुसिंह जगत, पांडव नाग, विजय कौशिक, जगदीश सिदार, राजेंद्र सिंह सिदार, राजेंद्र जगत, कुंजल सिदार, टाकेंद्र राय, नरेश पोर्ते, देवानंद नाग, चंद्रशेखर सिदार, हीरालाल मरकाम, विजय नेताम, महेश सिदार, सम्पत सिदार, बरातुराम सिवर, मेधलाल मरकाम, सेवक पोर्ते, जयराम कश्यप, बिस्वर पोर्ते, अहिवरन नाग, मंगलसिंह जगत, उपेन्द्र बाध, शिवशोभन ठाकुर, कुलार पारेश्वर, डोलामणी सिदार, श्याम सिदार, त्रिभुवन सिदार, उद्धव जगत, युधिष्ठिर सिरदार, कैलाश सिदार, सुकलाल नाग, खूबसिंह नाग, चमरा सिदार, शंकर सिदार, पिरीत सिंह सिदार, बिरेंद्र सिदार, सुशील सिदार, दीपक सिदार, देवराज सिदार, रूपेश दीवान, देवेश सिदार, देव ठाकुर, नीलमणि सिदार, टिकेश्वर मरकाम, पूनम सिदार, अन्नू सिदार, जागृति पोर्ते सहित बड़ी संख्या में सर्व आदिवासी समाज के महिला व पुरुषों ने उपस्थित होकर सामाजिक संगठन शक्ति एकता अखंडता का परिचय दिया।

समाज के लिए सदैव समर्पित व सेवाभावी नेतृत्वकर्ता अमृतलाल जगत अध्यक्ष छग अजजा शासकीय सेवक विकास संघ ने शासकीय कार्य से मध्यप्रदेश के प्रवास में होने पर समाजजनों को बर्चुअल ऑनलाइन जुड़कर आभार धन्यवाद ज्ञापित किया। मंचीय संचालन पुरुषोत्तम दीवान छत्तीसगढ़िया एवं आभार प्रदर्शन उदलसिंह पोर्ते ने किया ।

सभी न्यायिक अधिकारी और कर्मचारियों को सुविधा युक्त आवास उपलब्ध हों : मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा

सीजे ने वीसी के जरिए किया आवासीय भवनों का लोकार्पण

बिलासपुर (समय दर्शन)। छ.ग. उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने जिला उत्तर बस्तर कांकेर के सिंगारभाट एवं पखांजूर में न्यायिक कर्मचारियों के लिए नव निर्मित आवास गृहों का वीसी के माध्यम से लोकार्पण किया। मुख्य न्यायाधिपति सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जितना सुन्दर व साफ सुथरा आवास गृह उनके लिए उपलब्ध कराया जा रहा है, वे उसे निवास के दौरान वैसा ही रखें।

मुख्य न्यायाधिपति ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य के न्यायालयों को बुनियादी ढांचा प्रदान करने की पहल की गई है,जिसके तारतम्य में यह लोकार्पण हो रहे हैं। उन्होने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट यह सुनिश्चित करें कि नवनिर्मित न्यायिक आवासीय मकानों में सभी आवश्यक सुविधाएं हों और उनका कार्य गुणवत्तापूर्ण हो। मुख्य न्यायाधिपति के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में छ.ग. उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश एवं जिला उत्तर बस्तर कांकेर के पोर्टफेलियो न्यायाधीश श्री संजय एस अग्रवाल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री आनंद कुमार ध्रुव ने मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा एवं न्यायाधीश श्री संजय एस अग्रवाल का स्वागत करते हुए सिंगारभाट कांकेर एवं पखांजुर में नवनिर्मित सर्व सुविधा युक्त रहवासी कालोनी की सौगात देने के लिए कृतज्ञता व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने संबोधन मे बताया कि सिंगारभाट कांकेर में न्यायिक कर्मचारियों के लिए 88 मकान बना है एवं पखांजुर में कुल 11 मकान बना है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि मुख्य न्यायाधिपति ने अपने दूरदृष्टि एवं कुशल नेतृत्व से छत्तीसगढ़ के सुदूर जिला एवं तहसील का निरीक्षण कर अपनी दूरदर्शिता का परिचय कराया है और अधोसंरचना के क्षेत्र में महत्वपूर्ण आधार शिला रखी है। लोकार्पण के इस अवसर पर कांकेर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, समस्त न्यायाधीशगण, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एवं अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारीगण, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी कर्मचारीगण, मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने लिया स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा

पिथौरा में सोनासिल्ली, दुरूगपाली एवं मेमरा उप स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

मरीजो को मिले बेहतर स्वास्थ्य सुविधा - कलेक्टर मलिक

महासमुंद/ कलेक्टर श्री प्रभात मलिक ने आज स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर मैदानी स्वास्थ्य संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विकासखंड पिथौरा अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर, उप स्वास्थ्य केंद्र सोनासिल्ली, दुरुगपाली एवं मेमरा का राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक कार्यक्रम के निर्धारित सभी आठ सेवा प्रावधानों के मानकों के अनुसार निरीक्षण किया। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक कार्यक्रम के 8 विषय सेवा प्रावधान, रोगियों के अधिकार, इनपुट, सहयोगी सेवाएं, क्लीनिक सेवाएं, संक्रमण नियंत्रण, गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली परिणाम में बांटकर निर्धारित बिंदुओ पर विस्तृत रूप से निरीक्षण किया गया। उन्होंने इन केन्द्रों में मरीजों का आवश्यकतानुसार त्वरित उपचार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान दवाइयों की उपलब्धता तथा मौके पर मौजूद लोगों से भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सक समय पर आएं और मरीजों का बेहतर उपचार करें। बीमारी के गंभीरता को देखते हुए ही जिला अस्पताल रेफर करें। जिले में चल रहे सिकलसेल जांच अभियान की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सिकल सेल से संबंधित जो भी मरीज आए उनका उचित परीक्षण एवं उपचार करें। आवश्यक जांच करते हुए पात्र पाए जाने पर दिव्यांग प्रमाण पत्र भी जारी किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि सिकल सेल को मिटाने जनभागीदारी भी सुनिश्चित करें। अधिक से अधिक लोगों को आयुष्मान कार्ड का लाभ मिले इसके लिए आयुष्मान कार्ड निर्माण में प्रगति लाएं तथा छूटे हुए लोगों का सर्वे कर उनका आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने यहां मोतियाबिंद के मरीजों की जानकारी ली। इसके अतिरिक्त उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर संधारित होने वाले आवश्यक रजिस्टर एवं रिकॉर्ड का जायजा लिया। कलेक्टर श्री मलिक ने उप स्वास्थ्य केंद्र दुरुगपाली में दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि मरीजों को त्वरित और बेहतर उपचार मिले। कलेक्टर ने विकासखंड अधिकारियों को समय-समय पर निरीक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण रिपोर्ट भी भेजना सुनिश्चित करें। इस मौके पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री हरिशंकर पैकरा, डीपीएम नीलू धृतलहरे एवं चिकित्सक मौजूद थे।

कलेक्टर ने ली जिला स्वास्थ्य समिति की मैराथन बैठक

फार्मासिस्ट और लेखा प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी

मुंगेली (समय दर्शन)। जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर राहुल देव ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति की मैराथन बैठक ली। बैठक में उन्होंने वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य मद् एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत् प्राप्त राशि की मद्वार विस्तृत समीक्षा की। इसके साथ ही जीवन दीप समिति, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना, ओ.पी.डी. आई.पी.डी. में प्राप्त राशि एवं व्यय की समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर ने संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर जिला चिकित्सालय के फार्मासिस्ट और लोरमी के लेखा प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेन्द्र पैकरा, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. एम. के. राय, जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. कमलेश खैरवार, तीनों विकासखण्डों के खण्ड चिकित्सा अधिकारी, समस्त विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक, जिला प्रबंधक-लेखा, विकासखण्ड लेखा प्रबंधक, लेखापाल एवं अन्य विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

भारतीय दण्ड संहिता की जगह अब भारतीय न्याय संहिता से संबोधन होगा

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में 1 जुलाई से नये कानूनो को लेकर जानकारी दी गई। अपराधिक कानूनो को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पुलिस विभाग द्वारा नगर निगम भिलाई के अधिकारी एवं कर्मचारियो को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें कुछ व्यवहारिक रूप से जो कानून में बदलाव किये गये है उसके बारे में बताया गया। भारतीय दण्ड संहिता आई.पी.सी. को अब भारतीय न्याय संहिता के नाम से जाना जायेगा। तीन नये कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत देश के कानूनो का परिपालन किया जायेगा। व्यवहारिक रूप से आम जनता को जानने वाली प्रमुख जानकारी बताते हुए पुलगांव थाना टी.आई. पुष्पेन्द्र भटट ने बताया कि हिट एण्ड रन केस में मानवीय पहलू को जोड़ते हुए संशोधन किया गया है कि यदि किसी व्यक्ति के वाहन से दुर्घटना हो जाती है व्यक्ति घायल सड़क पर पड़ा है, दुर्घटनाकर्ता को डर लगता है कि रूक कर मदद करूंगा तो पब्लिक हमे मारेगी। वह वहां से भागकर वह निकटतम थाने में जाकर सूचित कर देता है कि मेरे द्वारा दुर्घटना हो गई है। प्रथम सूचना थाने में देता है तो मानवीय दृष्टि से उसे सजा में कम हो सकती है। यदि दुर्घटना करके वह सीधे भाग जाता है तो अपराध बड़ा होगा। पुलिस के समक्ष यदि कोई अपराधी या नागरिक बयान देता है तो उसकी वीडियो रिकार्डिंग होगी, जो मान्य होगा।

स्वामी आत्मानंद स्कूल मर्रा में एडमिशन का खेल, सामान्य सभा मे उठा मामला

चुनिंदा बच्चो को एडमिशन देने प्राचार्य कर रहा बड़ा खेला, अधिकारी कार्यवाही नही करेंगे तो जाएंगे कोर्ट : जनप्रतिनिधिगण

सेलूद (समय दर्शन)। समीपस्थ ग्राम मर्रा में स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में कक्षा पहली से लेकर दसवीं तक के प्रवेश का मामला संदेहास्पद होते जा रहा है । आसपास के ग्राम के गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाले बच्चों को बिना कारण अपात्र घोषित कर दूरस्थ अंचल के बच्चों को प्रवेश दिया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार कक्षा पहली के लिए कुल 52 आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हुए थे जिसमें से मर्रा सहित आसपास के ग्रामों के कुल 9 बच्चों को बिना किसी कारण अपात्र घोषित कर दिया गया। अपात्र किए जाने का कारण जब जानने की कोशिश की गई तो जिम्मेदार प्राचार्य भी गोल-गोल जवाब देना चालू कर दिया साथ ही सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगने आवेदन प्रस्तुत किया गया उसे भी प्राचार्य द्वारा लेने से मना कर दिया गया तब मजबूरन सूचना आवेदन पत्र विकासखंड शिक्षा अधिकारी को दी गई । चूंकि कुछ चुनिंदा बच्चों को प्रवेश लेने की कवायद चल रही थी इसलिए लॉटरी नही निकालने बीच का रास्ता निकाला गया वो रास्ता ये है की मर्रा

स्कूल में कक्षा पहली के लिए अंग्रेजी माध्यम में कुल 50 सीट है लेकिन कुल आवेदन 52 आये थे। अब 52 आवेदन आये तो नियम से लॉटरी निकालना पड़ता लेकिन लॉटरी से उन चुनिंदा बच्चो का प्रवेश हो पाता या नही इस डर ने प्राचार्य की दिमाग की बत्ती जला दी और 9 पात्र बच्चो को बिना कारण अपात्र घोषित कर दिए ताकि सीटें ज्यादा हो और आवेदन कम हो और लॉटरी सिस्टम से बचकर अपने हिसाब से प्रवेश दिया जा सके। शिकायत होने की सुगबुगाहट प्राचार्य को लगा तो बुधवार को ही बन्द ऑनलाइन पोर्टल चालू करवा दिया गया। पूरा मामला प्रकाश में तब आया जब अपात्र घोषित बच्चो के पालक अपने - अपने गांव के सरपंच से संपर्क किया और सरपंचों से स्कूल जा कर प्रवेश से सम्बंधित दस्तावेज देखे तब मामला समझ मे आया। मामला इतना गंभीर था कि गुरुवार को जनपद पंचायत पाटन में आयोजित सामान्य सभा की बैठक में भी जनपद सदस्यों ने यह मामला उठाया इस पर अधिकारियों ने तत्काल कार्यवाही करने का आश्वासन जनपद सदस्यों को सदन के समक्ष दिया। अब इस पूरे मामले में गरीब बच्चों को न्याय दिलाने जनप्रतिनिधिगण लग गए है सांतरा सरपंच राजा कोसरे का कहना है कि समीपस्थ ग्रामों के गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाले बच्चो के साथ अन्याय नही होने देंगे उच्च अधिकारियों से बात करेंगे। मर्रा सरपंच पालेश्वर ठाकुर का कहना है कि सूचना आवेदन पत्र जमा नही लेने से ही समझ आ गया था कि कुछ झोल-झाल है, दस्तावेज जुटाया जा रहा है बच्चो के साथ न्याय होगा, यहां बात नही बना तो माननीय उच्च न्यायालय में याचिका दायर करेंगे। गाड़ाडीह उपसरपंच तोपेन्द्र वर्मा ने भी इसका विरोध किया तथा पारदर्शिता के साथ प्रवेश लिया जाए मांग किया ।

सार समाचार

दो कारों में भिड़ंत, दो छात्रों की मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर में बुधवार को मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में जिंदल मोड़ के पास दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सुबह छह बजे दो कारों में आमने-सामने टक्कर हो गई।हादसे में कार सवार दो मेडिकल स्टूडेंट्स की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सड़क दुर्घटना में कार में सवार दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल रवाना किया गया। राजधानी के मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में सुबह छह बजे यह सड़क दुर्घटना हुई है। बताया जा रहा है कि रिम्स में डॉक्टर की पढ़ाई करते हैं। फ्लिहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में जिंदल मोड़ के पास दो कारों में आपस जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों कारों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि दो युवक घायल हो गए। मृतक और घायलों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है।

विधायक पुरंदर ने जताया मोदी का आभार

रायपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता रायपुर उत्तर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा की कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा विपणन सत्र 2024-25 के लिए सभी आवश्यक खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी देने से किसानों को बड़ी आर्थिक मदद मिलेगी और उनके जीवन का एक नया अध्याय आरंभ होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी की यह पहल जनकल्याण की भावना से किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली सिद्ध होगी। एमएसपी में इस वृद्धि से प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अन्नदाताओं को दी गई पहली गारंटी पूर्ण होगी और देश की अर्थव्यवस्था पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पुरखों की स्मृति में लगाए गए पौधे

रायपुर। सरजू बांधा श्मशान घाट विकास समिति के आह्वान पर वृक्षारोपण महा अभियान प्रारंभ हो चुका है जिसके तहत लोग अपने पुरखों और परिजनों की स्मृति में पौधारोपण कर रहे हैं उसी कड़ी में रुद्राक्ष ,सफेद चंदन ,चीकू , नीम समी,बादाम ,कटहल का पौधा रोपण किया अपने स्वर्गीय माता-पिता और धर्मपत्नी की स्मृति में श्री ऋषि यादव और सुपुत्री सुश्री वीणा यादव ने सरजू बांधा श्मशान घाट परिसर (पुरखा उद्यान) टिकरापारा ,रायपुर में उक्त अवसर पर समिति के पदाधिकारी माधव लाल यादव,गोवर्धन झंवर, रतन बैद ,संजय चंद्राकर, गणेश सिंह ,योगेश चौहान ,दीप ढीमर ,राजू यादव आदि उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर जिला प्रशासन रायपुर का आयोजन

नशे के विरूद्ध एनजीओ व अधिकारी-कर्मचारियों ने मिलकर बनाई विशाल मानव श्रृंखला

संभागायुक्त श्री संजय अलंग ने दिलाई नशे से दूर रहने की शपथ

प्रो. हिना ने भारतीय न्याय संहिता-23 के मूल तत्वों से कराया अवगत

रायपुर(समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर रायपुर संभागायुक्त श्री संजय अलंग ने शासकीय विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों, एनजीओ सहित शहरवासियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विशाल मानव श्रृंखला निर्मित कर नशे के विरूद्ध सभी ने संदेश दिया, साथ ही हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की प्रो. हिना इलियास ने 'भारतीय न्याय संहिता-2023' के मूल तत्वों से सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप, सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद सहित सभी विभागों के प्रमुख सम्मिलित रहें। रायपुर शहर के सबसे ऊंचे बहुमंजिला कलेक्टोरेट पार्किंग परिसर में संभागायुक्त श्री अलंग ने अपने उद्बोधन में समाज व परिवार को बेहतर दिशा देने हर नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारी व आम नागरिकों ने मिलकर विशाल मानव श्रृंखला बनाकर नशे के विरूद्ध हर गतिविधि में अपनी सहभागिता का संदेश दिया। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के अपर संचालक श्री पंकज वर्मा, अपर कलेक्टर द्वय श्रीमती निधि साहू, श्री देवेन्द्र पटेल, एसडीएम श्री नंदकुमार चौबे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री मिथिलेश चौधरी भी उपस्थित थे।

नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गाँधी जन सरोकारों के मजबूत प्रहरी साबित होंगे : दीपक बैज

राहुल गांधी के नेता प्रतिपक्ष बनने से लोकतंत्र मजबूत होगा

मनमानी पर रोक लगेगी

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सांसद राहुल गांधी के नेता प्रतिपक्ष बनने से लोकतंत्र मजबूत हुआ। सरकार की मनमानी पर रोक लगेगी और सदन में गरीब जनता, किसान युवा, मध्यवर्गीय, सभी वर्गों की आवाज बुलंद होगी। संवैधानिक संस्थानों पर नियुक्ति में जो संघ समर्थित लोगों को मनमानी तरीके से बैठाया जाता था वह अब नहीं होगा, संविधान सुरक्षित होगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राहुल गांधी लगातार मोदी सरकार के मनमानी तानाशाही नीतियां और जन विरोधी कानूनों के खिलाफ सदन से लेकर सड़क तक आवाज उठा रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा एवं भारत जोड़ो न्याय यात्रा में हजारों किलोमीटर से अधिक की यात्रा करके मोदी सरकार के द्वारा उत्पन्न की गई डर भय को खत्म किया है। सरकारी तंत्रों का दुरुपयोग कर जो दबाव बनाया जाता था। उसके खिलाफखड़े हुए हैं हर वर्ग की आवाज़ उठाये है। अब सदन में ज्यादा मजबूती के साथ जो विपक्ष की बड़ी भूमिका जनता के पक्ष में होती है, उसका निर्वहन करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बीते 10 साल में मोदी सरकार ने विपक्ष के विरोध को दरकिनार करके चंद लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए सदन में जो किसान विरोधी कानून लाया, श्रम कानूनों में श्रमिक विरोधी संशोधन किये गये, वन अधिकार अधिनियम में आदिवासी विरोधी प्रावधान थोपे गये उसके साथ और भी जो अनुचित बदलाव किए हैं, जो जनविरोधी विधेयक लाए हैं जिससे देश की जनता परेशान हुई है ऐसे कानूनों पर अब रोक लगेगी। वे सब लोकतंत्र के मर्यादाओं के अनुसार चलेगा, मौलिक अधिकार सुरक्षित होंगे और सत्ताधारी दल मनमानी नहीं कर पायेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बीते 10 वर्ष से सदन में बहुमत के दम पर सत्ताधारी दल ने जो मनमानी किया है, लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को जो तहस-नहस किया है, अब वह नहीं चलेगा।

बलौदा बाजार की घटना में भाजपा नेताओ का हाथ उन्हें बचाने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को फँसाया जा रहा

बलौदाबाजार की घटना के लिए जिम्मेदार भाजपा के नेताओ को क्यो गिरफ्तार नहीं किया जा रहा ?

रायपुर(समय दर्शन)। एनएसयूआई के विधानसभा अध्यक्ष सूर्यकांत वर्मा की बलौदाबाजार में षडयंत्रपूर्वक की गई गिरफ्तारी की निंदा करते हुये प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा की पहले से ही आशंका थी राज्य सरकार बलोदा बाजार की घटना से लगे दामन में काली दाग को लीपापोती करने के लिये कांग्रेस नेताओं पर झूठे मामला दर्ज करा गिरफ्तार करेगी। पहले सतनामी समाज के धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाया गया उनकी मांग को अनसुना किया गया उनके आंदोलन को बदनाम करने के लिए भाजपा नेताओं को शामिल करवाया गया और अब घटना होने के बाद षडयंत्र पूर्वक कांग्रेस नेताओं को फसाया जा रहा है। घटना के दिन ही सरकार के जिम्मेदार मंत्रियों ने प्रेस वार्ता करके जिस प्रकार से समाज के पूज्यनीय गुरु रुद्र कुमार जी ,कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव, विधायक कविता प्राण लहरे, नेता कार्यकर्ताओं के ऊपर पर झूठे आरोप लगाए। उसी दिन स्पष्ट हो गया था, घटना में लीतापोती करने गंभीर षडयंत्र रचा जा रहा है। जब गुरु रुद्र कुमार अपने ऊपर लगे झूठे आरोपो से व्यथित होकर गिरफ्तारी देने एसपी कार्यलय पहुँचे तब पुलिस प्रशासन हड़बड़ा गई। राज्य सरकार की सांस फूलने लग गई। अब राज्य सरकार अपने माथे पर लगे कलंक तो मिटाने के लिए निर्दोष लोगों पर कार्यवाही कर रही है यह अनुचित है। कांग्रेस मांग करती है कांग्रेस के गिरफ्तार नेताओं कार्यकर्ताओं को तत्काल रिहा किया जाये। घटना के लिए जिम्मेदार असमाजिक तत्व एवं भाजपा नेताओं की गिरफ्तारी हो। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि बलौदा बाजार के आंदोलन में भाजपा के जिला अध्यक्ष सनम जांगड़े सहित अन्य भाजपा नेताओं की क्या भूमिका रही है? इसकी जांच होनी चाहिए। धरना प्रदर्शन के लिए कलेक्टर से परमिशन दिलाने वाला कौन था? रैली में आने वाले हजारों लोगों के लिए भोजन, मंच, पंडाल, माइक के लिए रुपया की व्यवस्था किसने किया था?इतनी बड़ी घटना के बाद भड़काऊ भाषण देने वाले भीम आर्मी के लोगों की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई?

नव-प्रवेशी बच्चों के नन्हें कदमों की थाप और चहलक़दमियों से गूँज उठा स्कूल प्रांगण

कलेक्टर ने नव-प्रवेशी बच्चों को दी शुभकामना

रायपुर(समय दर्शन)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट शहीद स्मारक स्कूल का प्रांगण नव-प्रवेशी बच्चों के नन्हें कदमों की थाप और चहलकदमी से गूँज उठा, अवसर था स्कूली बच्चों के शाला प्रवेश उत्सव का। स्कूल में बच्चों की कक्षाएं आज से शुरू हुई। जहाँ आज नए छात्रों के स्वागत में प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत, सबसे पहले बच्चों को विद्यालय द्वार पर शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा तिलक-आरती कर स्वागत किया गया साथ ही बच्चों को अपने हाथों से मिठाई खिलाई। साथ ही विशेष बात यह रही कि शिक्षिकाओं ने शाला के पहले दिन की यादें संजोने के उद्देश्य से उनकी सेल्फी पॉइन्ट पर फोटो ली। जिले के अन्य स्कूलों में भी आज पहले दिन आने वाले बच्चों का स्वागत किया गया। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने जिले के सभी स्कूली बच्चों को पहले दिन शाला आने पर शुभकानाएं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय खंडेलवाल ने अभिभावकों से कहा कि कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार बच्चों के लिए बेहतर वातावरण से स्कूल एवं कक्षा को तैयार किया गया है। आज प्रथम दिवस बच्चों का हमने स्वागत करके मिठाई खिलाया, ताकि बच्चे उत्साह एवं खुशी के साथ स्कूल आएं और मन लगाकर पढ़ाई करें। उन्होंने कहा कि स्कूल में बच्चों के अभिभावकों से कक्षा के नियम व अनुशासन साझा किए। अभिभावक संतुष्ट व उत्साहित दिखे, बच्चों में भी पहली बार विद्यालय आने की खुशी साफ़ नजर आयी। शाला प्रवेश उत्सव में जिला समन्वयक श्री के. एस. पटले सहित स्कूल प्रशासन एवं अभिभावक गण उपस्थित रहे। तहसील गोबरा नवापारा में तहसीलदार सूरज बंछोर और नायब तहसीलदार आलोक वर्मा ने विज्ञार्थियो का स्वागत किया और बच्चों को बिस्किट ,पेन ,पुस्तक,गणवेश वितरण किया तथा साथ मे भोजन किया। गुरूजनों को भी पौधा भेंट किया।

एनएसओ रायपुर ने किया तेलीबांधा तालाब में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर(समय दर्शन)। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत् राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ), रायपुर, द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत 16 से 30 जून 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है । इसी क्रम में आज, 25 जून, 2024 को तेलीबांधा तालाब (मरीन ड्राइव) में एनएसओ के उप महानिदेशक, श्री अलताफ़ हुसैन हाजी के मार्गदर्शन में कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम के तहत मरीन ड्राइव के चारों तरफ सफाई कार्य किया गया । इस अवसर पर श्री अलताफ़ हुसैन हाजी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अपने व्यक्तिगत जीवन एवं व्यावसायिक जीवन के अतिरिक्त समाज में रहने के कारण हर व्यक्ति की कुछ सामाजिक जिम्मेदारियाँ होती हैं जिनमें से एक ज़िम्मेदारी यह भी है कि हम अपने आसपास के वातावरण में स्वच्छता बनाएँ रखें और पर्यावरण संरक्षण हेतु हमसे जो भी संभव हो उसे यथाशक्ति समाज को अर्पित करें । उन्होनें बताया कि हमारे चारों ओर विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों से पृथ्वी का पारिस्थितिकी तंत्र अव्यवस्थित होता जा रहा है। अत: ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए समग्र स्वच्छता के लिए स्वच्छता प्रणालियों का विकास किया जाना चाहिए । श्री अलताफ़ हुसैन हाजी ने पारिस्थितिक रूप से सुरक्षित और स्थायी स्वच्छता के लिए प्रभावी और उपयुक्त तकनीकों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया । इसके लिए उन्होनें दैनिक जीवन में प्लास्टिक/पॉलिथीन के उपयोग को कम करने, वृक्षारोपण करने, वायु को स्वच्छ रखने और विभिन्न प्रकार के प्रदूषकों को नियंत्रित करने का आह्वान किया।

समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव नई दिल्ली में संसद भवन में 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के दौरान बोलते हुए.

आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने कैनाल लींकिंग रोड के दोनों किनारों में सौंदर्यीकरण के दिए निर्देश

रायपुर(समय दर्शन)। आज नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा ने राजधानी शहर रायपुर में कैनाल लींकिंग रोड पंडरी, रविनगर, राजातालाब, शंकर नगर सहित अन्य क्षेत्रों का निरीक्षण कर कैनाल लींकिंग रोड के दोनों किनारों को सुव्यवस्थित करवाकर पाथवे में आवश्यक सुधार एवं मरम्मत कार्य करवाने, कैनाल लींकिंग रोड क्षेत्र में साफ - सफाई प्रबंधन को दुरुस्त करवाने, रोड के दोनों किनारों का सौंदर्यीकरण करवाने, लेंड स्केपिंग, रंग रोगन कार्य करके कैनाल लींकिंग रोड क्षेत्र के दोनों किनारों पर समाजहित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से हरियाली का विशेष ध्यान रखे जाने के निर्देश दिये हैं, ताकि वहाँ से निकलने पर वाहन चालकों, राहगीरों को स्वच्छ, सुन्दर, हरितीमायुक्त वातावरण का एहसास हो सके.आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा सहित निरीक्षण में रायपुर की सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद और नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर श्री राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री पद्माकर श्रीवास, सहायक अभियंता नगर निवेश श्री आशुतोष सिंह की उपस्थिति रही.

बच्चों को शिक्षा और संस्कार से परिपूर्ण करें: राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा

राजस्व मंत्री बलौदाबाजार जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में हुए शामिल

रायपुर(समय दर्शन)। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा बुधवार को बलौदाबाजार स्थित स्वामी आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट एमडीव्ही विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्स्व में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर वर्मा ने मुख्यमंत्री के सन्देश का वाचन किया और नव प्रवेशित नन्हे मुन्ने बच्चों का तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कराकर अभिनन्दन किया गया तथा नि:शुल्क गणवेश एवं पाठ्य पुस्तको का वितरण किया गया। राजस्व मंत्री वर्मा ने नव प्रवेशित बच्चों एवं शाला परिवार को नए शिक्षा सत्र की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा रुपी अस्त्र से कोई भी लड़ाई जीता जा सकता है। जीवन में आगे बढ़ने और सफलता के लिए शिक्षा जरूरी है। बच्चों को शिक्षा व संस्कार देकर एक कर्तव्यनिष्ट व्यक्ति बनाना शिक्षकों की जिम्मेदारी है। शिक्षकों को अपनी इस जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ खेल कूद, कला -संस्कृति में भी आगे बढ़े। स्कूल जाने में कोताही बिलकुल भी ना करें। पालक भी बच्चों के पढ़ाई के महत्व को समझें और स्कूल नियमित रूप से भेजें। उन्होंने कहा कि आज जो उत्साह यहां दिख रहा है वह उत्साह पूरे साल भर बनी रहे। इस अवसर पर मंत्री वर्मा ने शिक्षा सत्र 2023-24 में कक्षा 12 वीं एवं 10 वीं के बोर्ड परीक्षा की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त बलौदाबाजार विधान सभा के विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और 10 -10 हजार रुपये देने की घोषणा की। कलेक्टर दीपक सोनी ने कहा कि 26 जून से जिले के स्कूलों में नया शिक्षा सत्र प्रारम्भ हो रहा है। जिले के स्कूलों में शाला प्रवेश उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में लागू नई शिक्षा नीति का पालन करते हुए बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने विभागीय अमलों एवं पालकों से सहयोग की अपील की। कार्यक्रम को नगर पालिका अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा सत्र 2023-24 में कक्षा 12 वीं एवं 10 वीं बोर्ड परीक्षा की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें कक्षा 12 वीं के कोपल अम्बष्ट, प्रीति यादव, डॉली पटेल एवं अदिति साहू तथा कक्षा 10 वीं के निधि साहू शामिल हैं। इस अवसर पर सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत स्कूली छात्राओं को नि:शुल्क सायकल वितरण किया गया तथा संस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले छात्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

ग्राम पंचायत ताराशिव में हुई तालाबों एवं जल स्त्रोतों की सफाई

रायपुर(समय दर्शन)।कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर आज विकास खण्ड तिल्दा-नेवरा के ग्राम पंचायत ताराशिव में 'नारी शक्ति से जल शक्ति अभियान' अंतर्गत निस्तारी तालाबों एवं जल स्त्रोतों की साफ-सफाई कराई गई।जल शक्ति अभियान नारी शक्ति से जल शक्ति पंचायतों में 24 जून 2024 से जल शक्ति अभियान नारी शक्ति से जल शक्ति के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य मे आज तीसरे दिन तिल्दा-नेवरा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत ताराशिव में महिलाओं द्वारा तालाबों एवं जल स्त्रोतों की सफ़ाई कर जल संरक्षण हेतु प्रचार प्रसार किया गया। साथ ही ग्राम पंचायत के युवाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों के बीच जाकर वर्षा जल के संरक्षण हेतु वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, सोक पिट, रिचार्ज स्ट्रक्चर के संबंध में जानकारी दी गई।

संपादकीय

शांति शिखर सम्मेलन

रूस यूक्रेन युद्ध की समाप्ति का रास्ता तलाशने के उद्देश्य से इस सप्ताह के अंत में स्विट्जरलैंड में एक शांति शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें करीब 90 देशों ने हिस्सा लिया। विश्लेषकों का मानना है कि दो वर्षों के बाद युद्ध विराम को लेकर आयोजित इस शांति शिखर सम्मेलन का उद्देश्य यथार्थपरक है, लेकिन यह आकलन वास्तविकता से कई अर्थों में भिन्न है। सम्मेलन में करीब 100 प्रतिनिधिमंडल आये थे, जिनमें से ज्यादातर पश्चिमी देशों से थे और ये सभी रूस विरोधी थे। यह शिखर सम्मेलन युद्ध विराम और शांति स्थापित करने के उद्देश्य से कोसों दूर इसलिए भी रहा है इसमें रूस को आमंत्रित ही नहीं किया गया। रूस सबसे महत्त्वपूर्ण हितधारक है और जब तक रूस और यूक्रेन वार्ता की मेज पर एक साथ नहीं बैठेंगे तब तक शांति का कोई परिणाम ही सामने नहीं आएगा। इस शांति शिखर सम्मेलन से ठीक पहले जी-7 देशों के सम्मेलन में दुश्मन देश रूस की जब्त 4177 अरब रुपए की संपत्ति यूक्रेने को देने की घोषणा की गई है। यूक्रेन को एक तरफ नाटो देश हथियार दे रहे हैं और दूसरी ओर अमेरिका लगातार फंड दे रहा है। अमेरिका बार-बार कह रहा है कि यूक्रेन को इस तरह की मदद लगातार मिलती रहेगी। अब अगर जी-7 देशों की घोषणा के मुताबिक रूस की जब्त संपत्ति यूक्रेन को दी गई तो एक नया मोर्चा खुल जाएगा। यह दो दिवसीय शांति सम्मेलन था। अंतिम दिन यानी रविवार को एक साझा बयान जारी किया गया जिसमें यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रखने की शर्त को मुख्य आधार बनाया गया है। भारत सहित 12 देशों ने इस शर्त को नामंजूर करते हुए साझा बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। इन देशों का मानना है कि इस शर्त से टकराव की स्थिति बनी रहने की आशंका है। भारत ने सार्वजनिक रूप से कभी भी रूस को आक्रामक देश नहीं कहा है जैसा कि पश्चिमी देश मानते हैं। पिछले दिनों एक जनमत सन्रेक्षण में यह बात सामने आई थी कि यूक्रेन की एक बड़ी आबादी का विजय के संदर्भ में निराशावादी रुख है। वे सीमित युद्ध परिणामों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। यह भी सत्य है कि दो साल से जारी इस भीषण युद्ध के बाद भी जेलेंस्की और पुतिन दोनों के लिए विजय मृगतृष्णा बनी हुई है। युद्ध विराम और शांति स्थापित करने के लिए पश्चिमी देशों को स्वप्नद्रष्टा होने की बजाय जमीनी हकीकत को समझना होगा।

वायु प्रदूषण से होती लाखों मौतों के लिये कौन जिम्मेदार?

ललित गर्ग

कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश की हवा में घुलते प्रदूषण का 'जहर' अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, इस गंभीर होती स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है, इस रिपोर्ट के आंकड़े परेशान एवं शर्मसार करने के साथ चिन्ता में डालने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। ज्यादा दुख की बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित, चिन्तीत व परेशान करने वाले हैं। वहीं सरकार के नीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए, लेकिन उन्हें शर्म आती ही कहा है? तनिक भी शर्म आती तो सरकारें एवं उनके कर्ता-धर्ता इस दिशा में गंभीर प्रयास करते। सरकार की नाकामियां ही हैं कि जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर उसे कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है। जानलेवा वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही एवं लापरवाही को ही दर्शाता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से वह प्रदूषण फैला रहा है और किस तरह वे इस जानलेवा प्रदूषण को नियंत्रित करने में सहयोगी हो सकते हैं। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्यों की सरकारें इस विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करती है, जानबूझकर प्रदूषण फैलाती है ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सके। प्रदूषण के नाम पर भी कोरी राजनीति का होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण का बेहद खतरनाक स्थिति में बना रहना चिन्ता में डालता है। हालत ये बनते हैं कि कभी-कभी सांस लेना मुश्किल हो जाता है और लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पराली के बाद पटाखों का धुआं भी बड़ी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने एवं बढ़ता धूम्रपान जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा अदालतों की अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के अपने दायित्वों से दूर होता जा रहा है।

यूनीसेफकी रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है, मौत के शिकार होते हैं। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास सही ढ़ंग से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ित होना हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। दिल्ली सहित देश के कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी है। हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर 'बेहद खराब' की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से इस स्थिति में सुधार के लिए कई तरह के उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि फिर कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर इसकी असली जड़ क्या है और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही है? इस विकट समस्या से मुक्ति के लिये ठोस कदम उठाने होंगे। सिर्फ दिल्ली ही नहीं, देश के कई शहर वायु प्रदूषण की गंभीर मार झेलते हैं। इसका पता तब ज्यादा चलता है जब वैश्विक पर्यावरण संस्थान अपने वायु प्रदूषण सूचकांक में शहरों की स्थिति को बताते हैं। पिछले कई सालों से दुनिया के पहले बीस प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर दर्ज होते रहे हैं। जाहिर है, हम वायु प्रदूषण के दिनोंदिन गहराते संकट से निपट पाने में तो कामयाब हो नहीं पा रहे, बल्कि जानते-बूझते ऐसे काम करने में जरा नहीं हिचकिचा रहे जो हवा को जहरीला बना रहे हैं। चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन-केन- प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। मुश्किल यह है कि वायुमंडल के घनीभूत होने की वजह से जमीन से उठने वाली धूल, पराली की धुंध और वाहनों से निकलने वाले धुएं के छंटने की गुंजाइश नहीं बन पाती है। नतीजन, वायु में सूक्ष्म जहरीले तत्व घुलने लगते हैं और प्रदूषण के गहराने की दृष्टि से इसे खतरनाक माना जाता है। हमारा राष्ट्र एवं दिल्ली सहित अन्य राज्यों की सरकारें नैतिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक एवं व्यक्तिगत सभी क्षेत्रों में मनोबल के दिवालिएपन के कगार पर खड़ी है। और हमारा नेतृत्व गौरवशाली परम्परा, विकास और हर प्रदूषण खतरों से मुकाबला करने के लिए तैयार है, का नारा देकर अपनी नेकनीयत का बखान करते रहते हैं। पर उनकी नेकनीयती की वास्तविकता किसी से भी छिपी नहीं है, देश में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों के हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट के आंकड़े इस वास्तविकता को उजागर करते हुए प्रदूषण की समस्या का कोई दीर्घकालिक और ठोस हल निकालने के लिये चेता रहे हैं।

गर्मी के बढ़ते प्रकोप अधिकांश देश त्रस्त

भारत डोगरा

जलवायु बदलाव के इस दौर में बढ़ती गर्मी के प्रकोप से दुनिया के अधिकांश देश त्रस्त हैं, पर अधिक विकट स्थिति गरीब देशों की है। इसी तरह यदि आंतरिक स्तर पर देखें तो विभिन्न देशों, शहरों और गांवों में गर्मी का सबसे अधिक प्रकोप सबसे निर्धन लोगों को झेलना पड़ता है।

बढ़ती गर्मी के द्योतक के रूप में प्राय: तापमान के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं और ये हमें काफी निश्चित तौर पर बताते हैं कि बहुत से स्थानों पर हाल के वर्षों और दशकों में गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है। तिस पर जहां हरियाली कम हुई है, सीमेंट-कंक्रीट का जाल बढ़ा है, वहां बढ़ती गर्मी का असर और भी घातक रूप में नजर आ रहा है। इस बारे में अनेक अध्ययन भी उपलब्ध हैं।

दूसरी ओर, गर्मी के बढ़ते प्रकोप का एक ऐसा पक्ष भी है जो अति महत्तपूर्ण होते हुए भी अपेक्षाकृत उपेक्षित है।

यह है आर्थिक-सामाजिक विषमता का पक्ष। जिस समाज, नगर या गांव में अधिक विषमता और अधिक असमानता होगी, वहां ऐसे साधनहीन परिवारों का प्रतिशत भी अधिक होगा जो जलवायु बदलाव के दौर में बढ़ती गर्मी के प्रकोप और अन्य तरह के प्रतिकूल मौसम के दुष्परिणामों को सहने में कम सक्षम हैं। जहां गर्मी के बढ़ते प्रकोप और लू के थपेड़ों के बीच साधन-संपन्न व्यक्ति अपने बचाव और आराम के विभिन्न उपाय करने में समर्थ है, वहां निर्धन परिवारों के लिए यह संभव नहीं है और अनेक दिहाड़ी मजदूर परिवार के लिए रोटी और बुनियादी जरूरतों की व्यवस्था के लिए घोर गर्मी में भी मजदूरी ढूंढने के लिए मजबूर हैं। यह स्थिति गांवों और शहरों, दोनों जगह देखी जा सकती है। पुरुष ही नहीं, अनेक स्थानों पर तो महिला मजदूर भी गर्मी का बहुत प्रकोप झेल रही हैं।

जहां किसानों और स्व-रोजगार वालों के लिए कम से कम यह संभव है कि वे अपने काम के घंटों को गर्मी से बचाव की दृष्टि से बदल लें, पर अनेक मजदूरों के लिए यह निर्णय भी अपने स्तर पर लेना संभव नहीं है। अत: यह बहुत जरूरी है कि विशेषकर खुले क्षेत्र में और अधिक गर्मी की स्थिति में कार्य करने वाले मजदूरों की रक्षा के लिए विशेष कदम सरकार उठाए। देश में गर्मी के अधिक प्रकोप के रूप में चर्चित क्षेत्रों में बुदेलखंड का नाम विशेष तौर पर लिया जाता है। यहां तापमान बहुत ज्यादा रहा है और कई दिनों तक लगातार 42 सेंटीग्रेड से 49 सेंटीग्रेड के बीच रहा। इसके अतिरिक्त, नदियों और अन्य जल-स्रेतों के सिकुड़ने या लुप्त होने, अंधाधुंध बालू और पत्थर के खनन, वृक्षों की कटाई, सिमटते वनों के कारण भी इस क्षेत्र में गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। घर-घर में नल तो लग गए हैं पर इसके बावजूद जल-संकट तो बना हुआ है।

इस क्षेत्र में गर्मी के विकट प्रकोप के दिनों में जब हाल ही में यह लेखक दूर-दूर के गांवों में गया तो यही सच्चाई बार-बार उभर कर सामने आई कि जहां सामाजिक विषमता और अन्याय है, दबंगी और सामंतशाही का असर अधिक है, वहां एक ओर तो सामान्य समय में ही निर्धन और जनसाधारण अधिक समस्याओं से त्रस्त होते हैं और गर्मी के बढ़ते प्रकोप और प्रतिकूल मौसम के दौर में उनकी समस्याएं और भी बढ़ जाती हैं। जब सुबह 9-10 से ही गर्मी बहुत बढ़ने लगती थी तो खुले में निर्माण कार्य या कृषि कार्य दिन-भर करने की हिम्मत कोई कैसे जुटा सकता है? तिस पर यदि दोपहर में छाया में विश्राम और ठंडे पानी की सुविधा भी सही ढंग से उपलब्ध न हो तो स्थिति और भी विकट हो जाती है। फिर भी मजबूरी में, पेट भरने के लिए बहुत विकट स्थितियों में भी मजदूरी जारी रहती है।

रोजगार की जरूरत

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नई एनडीए गठबंधन सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती नौकरियों और रोजगार अवसरों में वृद्धि करने की है।

हाल ही में दुनिया में आर्थिक और रोजगार से संबंधित शोध अध्ययनों के लिए प्रसिद्ध फ्रांस के कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सिस एसए के द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स) में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी। इसमें से करीब 1.04 करोड़ नौकरियां संगठित सेक्टर में पैदा करनी होगी। जबकि पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को अपनी अर्थव्यवस्था में तेजी को बरकरार रखने के लिए सर्विसेज से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सभी सेक्टर्स को नई रफ्तार से बढ़ावा देना होगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार वर्ष 2022 में भारत की कुल बेरोजगार आबादी में से 83 फीसद बेरोजगार युवा थे। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, भारत की कुल श्रम शक्ति की भागीदारी दर मात्र 58 प्रतिशत है, जो भारत के एशियाई समकक्ष देशों की तुलना में बहुत कम है। निसंदेह नई गठबंधन सरकार को बेरोजगारी संबंधी चिंताजनक नए आंकड़ों को ध्यान में रखना होगा। हाल ही पिछले दस वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग रेलवे भर्ती और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने जो भर्तियां की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में कम बहुत है। राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) के द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आंकड़ों के अनुसार भारत के शहरी इलाकों में बेरोजगारी की दर वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च 2024) में बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गई है, जो इसके पहले की तिमाही में 6.5 प्रतिशत थी। शहरी बेरोजगारी पिछली चार तिमाही के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। 15 साल से अधिक उम्र में बेरोजगारी की दर जनवरी-मार्च 2023 की तिमाही के 6.8 प्रतिशत के बाद सर्वाधिक है। सर्वेक्षण के अनुसार युवा बेरोजगारी स्तर बढ़ा है और यह बीती तिमाही के 16.5 प्रतिशत से बढ़कर चौथी तिमाही में 17 प्रतिशत हो गया। यह आंकड़ा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इस आयु वर्ग के लोग पहली बार श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। इससे शहरी रोजगार के बाजार में गिरावट का पता चलता है। अब नई सरकार के द्वारा देश में असंगठित सेक्टर लघु एवं मध्यम उद्योगों और गिग वर्कर्स की चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाना होगा। इन सेक्टरों में करोड़ों लोगों को रोजगार तो मिल रहा है, लेकिन भविष्य एकदम सुरक्षित नहीं है। जून 2022 में प्रस्तुत नीति आयोग की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के 77 लाख लोग इस समय गिग इकोनॉमी का हिस्सा हैं। अनुमान है कि 2029-30 तक इनकी संख्या 2.35 करोड़ हो जाएगी।

गिग वर्कर्स के लिए बड़ी समस्या नौकरी जाने का खतरा और प्रोविडेंट फंड, हेल्थ इंश्योरेंस और सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलना है। देश में रोजगार के मद्देनजर महिलाओं की स्थिति भी अच्छी नहीं है। नैसकॉम के मुताबिक भारत के प्रौद्योगिकी कार्यबल में केवल 36 फीसद महिलाएं हैं। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों में महिलाओं की भागीदारी केवल 14 फीसद है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) क्षेत्र में महिलाओं का रोजगार कम है और भारत के बड़े अवसरों के लिए महिलाओं की कम भागीदारी चुनौतीपूर्ण है। निश्चित रूप से नई गठबंधन सरकार को देश की नई पीढ़ी को जॉब सीकर यानी नौकरी की चाह रखने वाले से ज्यादा नए दौर के जॉब गिवर यानी नौकरी देने वाले बनाने की तेज रणनीति के साथ भी आगे बढ़ना होगा। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह नई पीढ़ी के द्वारा स्वरोजगार के मौके मुट्ठी में लिए जा रहे हैं। उनकी रफ्तार बढ़ाई जानी होगी। हाल ही में शोध संस्थान स्कॉच की एक रिपोर्ट में कहा गया कि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में 51.40 करोड़ रोजगार मिले हैं। इस शोध अध्ययन में रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित 12 केंद्रीय योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें मनरेगा, पीएमजीएसवाई, पीएमईजीपी, पीएमए-जी, पीएलआई, पीएमएवाई-यू, और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विगत 10 वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई स्किल्स से नई पीढ़ी को सुसज्जित करके उनके लिए रोजगार के मौके बढ़ाए हैं।

नेता विपक्ष का ओहदा तय करेगा राहुल गांधी का सियासी भविष्य?

डॉ. रमेश ठाकुर

16वीं और 17वीं लोकसभा में नबंरों के लिहाज से कांग्रेस बीते 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में इतना पिछड़ गई थी कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष का पद भी नसीब नहीं हुआ। नेता विपक्ष पद की बात तो दूर, पार्टी का भविष्य और अस्तित्व भी खतरे में पड़ गया था। कम नंबर संख्या के कारण ही संसद में नेता विपक्ष की सीट भी रिक्त रही। पर, कहते हैं कि सियासत में चमत्कार की संभावनाएं अन्य क्षेत्रों के मुकाबले ज्यादा रहती हैं। किसके सितारे बुलंद हो जाए और किसके अचानक बुझ जाएं? इसका दामोदर सब कुछ जनता-जर्नादन के मूड और विचारों पर निर्भर रहता है? बीते 2024 के आम चुनाव में हुआ भी कमोबेश कुछ ऐसा ही? भाजपा 400 पार के नारे के साथ फिर से प्रचंड बहुमत में आने को पूरी तरह आश्वस्त थी, लेकिन जनता ने अस्वीकार कर दिया। मौका जरूर दिया, लेकिन आधा-अधूरा? हालांकि, कांग्रेस ने इस बार उम्मीद से कहीं बढ़कर बेहतीन प्रदर्शन कर खुद को लड़ाई में बरकरार रखा।

कांग्रेस हो या भाजपा प्रचंड जीत से बौराने की प्रवृति से सभी दलों को तौबा करना होगा। 2024 का जनादेश सभी के लिए सीख जैसा है। कांग्रेस को जनता ने नया जीवनदान दिया है। इसलिए कांग्रेस के सितारे एक बार फिर थोड़े से चमके हैं। पिछली बार मात्र 44 सांसद ही जीतकर संसद पहुंचे थे। पर, ये आंकड़ा इस दफे 99 तक पहुंचा है। तभी कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष के लिए दावेदार हुई है। अच्छे नंबरों से पास होने का ही नतीजा है कि नेता विपक्ष के लिए राहुल गांधी के नाम पर ताजपोशी होनी विपक्षी धड़े की ओर से मुकर्रर हुई है। पर, जनता का संदेश पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए बराबर है? जो जनता के हित में काम करेगा, उसकी जयकार होगी। वरना, घमंड़ चकनाचूर करने में देश के मतदाता जरा भी नहीं हिचकेंगे? 2024 के जनादेश ने देश की सियासी तस्वीर पूरी तरह से बदल दी है। चाहे प्रधानमंत्री हों या नेता विपक्ष सभी से काम की उम्मीद करती है। नेता भी अब समझ गए हैं कि लच्छेदार बातों और हवा-हवाई दावों से अब काम नहीं चलने वाला?

बहरहाल, गठबंधन राजनीति में नेता विपक्ष के पद को पूरे पांच वर्ष तक सुचारू रूप से यथावत रखना भी किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होगा? पद पर आसीन होने वाले औहदेदार के लिए भी चुनौतियों की भरमार रहेंगी। उन्हें हर घड़ी अग्निपरीक्षा से गुजरना होगा। नेता विपक्ष का पद राहुल गांधी की सियासी समझ की भी कठिन परीक्षा लेगा? क्योंकि सत्तापक्ष और देश की एक बड़ी आबादी अभी तक उन्हें सियासत का 10वीं पास छात्र ही समझती रही है। दरअसल समझने के कई ताजा उदाहण भी सामने मुंह खोले जो खड़े हैं। राहुल गांधी कई बार अपने सियासी प्रयोगों में विगत वर्षों में असफल हुए हैं इसलिए भी लोगों को थोड़ा बहुत संदेह अब भी है? उनके सियासी इतिहास के पन्ने खोले तो सामने एक विफलता भरी तस्वीर उभरती है कि वह कांग्रेस अध्यक्ष का पद भी अच्छे से निर्वाह नहीं कर सके, जिसके चलते उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। अमेठी से चुनाव भी हारे और अपनी अगुआई में पार्टी को चुनाव लड़ाकर भी ज्यादा कुछ नहीं कर सके। कुल मिलाकर उनके हिस्से में सियासी असफलता की भरमार है। पर, इन गुजरे वर्षों में अच्छी बात ये रही, वह लगातार हारने के बावजूद भी हिम्मत नहीं हारे, सियासी मैदान में डटे रहे? खुद को साबित करने के लिए भारत जोड़ो यात्रा निकाली, जिसमें लोगों का समर्थन हासिल किया। यही कारण है, जनता ने उनपर थोड़ा भरोषा जताया है।

खैर, राजनीति में असफलता ज्यादा मायने नहीं रखती, कोई भी हार सकता है। इसलिए ये पुरानी और बेजान बातें ही हैं। सियासत ऐसा अखाड़ा है जहां अच्छे से अच्छा खिलाड़ी चित हुआ है। ताजा उदाहरण मौजूदा लोकसभा चुनाव का परिणाम है जिसमें बड़े से बड़े शूरमा धराशाही हो गए हैं। अपने राजनीतिक कॅरियर में राहुल गांधी पहली मर्तबा कोई संसदीय औहदा संभालने जा रहे हैं। 18वीं लोकसभा में वह नेता विपक्ष की भूमिका में होंगे, जिसे इंडिया गठबंधन के तकरीबन सभी प्रमुख नेताओं ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है। राहुल की उम्मीदवारी की स्वीकृति के लिए प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब को कांग्रेस की ओर से बीती 25 जून की देर शाम को अर्जी भी भेज दी गई है। हालांकि उनके इस पद को लेकर कोई अड़चन या अड़गा इसलिए नहीं लगेगा, क्योंकि संसदीय परंपरा और नियमानुसार नेता विपक्ष के लिए किसी भी दल के पास दस फीसदी सांसद होने चाहिए, जिसमें कांग्रेस सफल है। नेता विपक्ष का पद कांग्रेस को दस साल बाद नसीब होगा। राहुल नेता विपक्ष बनने वाले गांधी परिवार से तीसरे सदस्य होंगे। उनके पहले उनके पिता तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और सांसद माता सोनिया गांधी रह चुकी हैं। प्रतिपक्ष भारतीय संसद के दोनों सदनों में, प्रत्येक में आधिकारिक विपक्ष का नेतृत्वकर्ता होता है। इसलिए नेता विपक्ष का औहदा अपने आप में बहुत मायने रखता है। प्रधानमंत्री जैसी एक तिहाई शक्तियां उन्हें प्रदान होती हैं। सुविधाएं केंद्रीय मंत्री से कहीं बढ़ दी जाती हैं। तनख्वाह भी तीन लाख रुपए से ऊपर होती हैं। इसके अलावा नेता विपक्ष ईडी निदेशक, सीबीआई प्रमुख, सीवीसी जैसे उच्चस्थ पदों की नियुक्ति में सहभागी होता है। प्रधानमंत्री को नियमानुसार नेता विपक्ष की राय लेनी अनिवार्य होती है। नेता विपक्ष अभिलेखा समिति का भी प्रमुख रहता है जो सरकार के प्रत्येक निर्णयों और खर्चों पर निगाह रखता है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब अपने तीसरे कार्यकाल में जो भी बड़े निर्णय लेंगे या संवैधानिक नियुक्तियां करेंगे उसमें नेता विपक्ष की भूमिका रहने वाले उस नेता की राय लिया करेंगे, जिन्हें चुनाव में उन्होंने ये भी कह दिया था कि 'कौन राहुल'? इसलिए इस बार की संसदीय प्रक्रिया बहुत दिलचस्प और टकराव भरी होने वाली है। इसमें चुनौती राहुल गांधी के समझ सबसे ज्यादा रहेंगी, क्योंकि जनता उनके दमखम को नेता विपक्ष के तौर पर परखेगी और भविष्य की राजनीति में उनके कद को तय करेगी।

हम बचपन से ही दूध पीने लगते हैं लेकिन बड़े होने पर दूध का सेवन कम होता जाता है। कुछ लोग सोचते हैं कि इसके सेवन से उनके आहार में ज्यादा वसा हो जायेगा। कुछ लोग इसलिए दूध नहीं पीते क्योंकि वह सोचते हैं कि वह अब बड़े हो गये हैं इसलिए उन्हें अब इसकी जरूरत नहीं रही। दूध हमारे आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

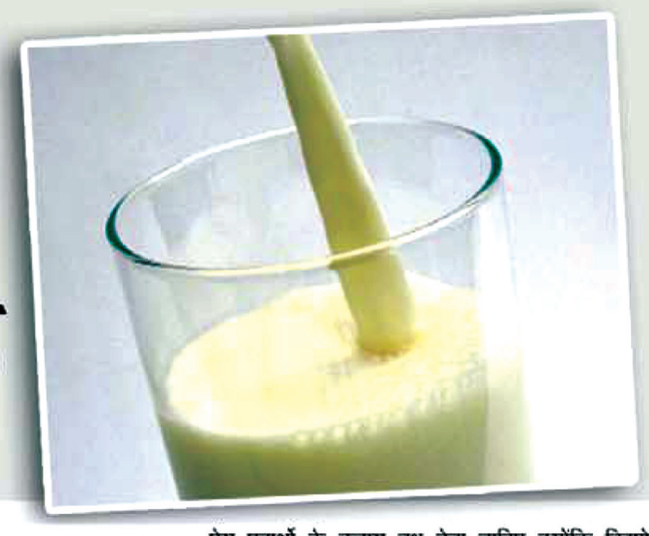

हर उम्र में जरूरी है दूध

दूध प्रोटीन,खनिज और विटामिन का पौष्टिक एवं सस्ता स्त्रोत है। बावजूद इसके, दूध को दरकिनार करके सोडा,जूस और स्पोर्ट्स ड्रिंक्स जैसे अधिक मीठे पेय पदार्थों का सेवन किया जाता है। इससे मोटापा,मधुमेह,हृदय रोग और कैंसर जैसी आहार संबंधी बीमारियां होने का खतरा होता है। अधिक मीठे पेय पदार्थों के स्थान पर पोषक तत्वों से युक्त दूध को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। यहां हम आपको बता रहे हैं कि

हर उम्र में दूध क्यों जरूरी है?

बचपन

बचपन में शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक बच्चों को ज्यादा शक्कर युक्त पेय पदार्थ नहीं बल्कि दूध देना चाहिए। दूध में मौजूद प्रोटीन संतुलित अमीनो एसिड से बनता है जो जैविक रूप से उपलब्ध है। यह आसानी से पच जाता है और शरीर में इसका इस्तेमाल होता है। दूध के कैल्शियम से बच्चे की विकासशील हड्डियों,दांतों और मस्तिष्क के ऊतकों को बढ़ने में मदद मिलती है और यह कोशिकीय स्तर पर उन रासायनिक प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देता है जो मांसपेशियों एवं तंत्रिका तंत्र की कार्यक्षमता को संचालित करती है। अतिरिक्त पोषण तत्वों से युक्त दूध से विटामिन डी मिलता है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण विटामिन है जो हड्डियों की मजबूती के लिए शरीर को कैल्शियम,फास्फोरस को पचाने में मदद करता है,लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को बढ़ाता है,पाचन और तंत्रिका प्रक्रियाओं को बढ़ावा देता है और प्रतिरोधक क्षमता को सहारा देता है। 11 साल की उम्र तक के बच्चों को रोजाना कम से कम दो बार दूध और डेयरी उत्पाद देने चाहिए।

किशोरावस्था

मजबूत हड्डियों के लिए जरूरी किशोरों को भी शुगर युक्त पेय पदार्थों के बजाय दूध देना चाहिए क्योंकि किशोर असाधारण शारीरिक परिवर्तन से गुजरते हैं। उन्हें हार्मोंस संबंधी,मांसपेशियों एवं रक्त संचार के अधिकतम विकास के लिए ऊर्जा युक्त पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों की आवश्यकता होती है। किशोरावस्था ही वह ऐसा समय होता है जब हड्डियां मजबूत होती हैं। ऐसे में दूध बहुत फायदेमंद हो सकता है ताकि जीवन में कभी भी आपकी हड्डियों में कमजोरी नहीं आए तथा ओस्टियोपोरोसिस की समस्या न हो। दूध के आर्श्चयजनक फायदों के मद्देनजर किशोरों को रोजाना तीन या अधिक बार कम वसा वाले दूध उत्पादों का सेवन करना चाहिए।

वयस्क अवस्था

इस अवस्था में भी शरीर को कैल्शियम की जरूरत होती है। विटामिन डी और फास्फोरस के बगैर सभी उम्र के वयस्कों के लिये हड्डियों के कमजोर होने का खतरा होता है,इसलिए दूध की आवश्यकता बनी रहती है। ब्रोकोली और पालक के रूप में अन्य कैल्शियम युक्त गैर डेयरी आहार का सेवन करना अच्छा विकल्प हो सकता है। लेकिन इनमें से कुछ में ऐसे यौगिक मौजूद होते हैं जिससे कैल्शियम के अवशोषण में बाधा पड़ सकती है। पालक में ऑक्सोलेट अधिक होते हैं जो कैल्शियम अवशोषण में बाधा डालते हैं जबकि ब्रोकोली आदि अन्य सब्जियों में मौजूद कैल्शियम दूध की तरह आसानी से नहीं पचता है।

कोहनी का इलाज महंगी पड़ेगी देरी

कोहनी के फैक्चर को और खराब होने से बचाने के लिए तुरंत डॉक्टरी उपचार और सर्जरी आवश्यक है। युवा कामकाजी 25 वर्षीय प्रिया कुकरेजा ने इस उम्र में इस अप्रत्याशित स्वास्थ्य समस्या के बारे में कभी नहीं सोचा था, जब तक वह दुर्घटनावश बर्फ पर फिसल नहीं गई और उनकी कोहनी टूट नहीं गयी। समय बर्बाद किए बगैर उसके माता-पिता तत्काल डॉक्टरी सहायता प्राप्त करने के लिए उसे अस्पताल ले गए। इससे उसकी कोहनी बच गयी। जब प्रिया की जांच की गई तो एक्स-रे में हड्डी के कई टुकड़ों के साथ जटिल फैक्चर पाया गया। उनकी दाहिनी कोहनी में दर्द व सूजन था। इस कारण उसे हिलाना-डुलाना मुश्किल था। तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता थी। उनकी कोहनी का एक जटिल ऑपरेशन किया गया और हड्डी के टुकड़ों को विशेष प्लेट और स्क्रू से फिक्स किया गया।

क्या है उपचार

कोहनी ऊपरी अंग के सबसे महत्वपूर्ण भागों में से एक है। इसके फैक्चर का सही ढंग से इलाज नहीं कराने पर यह काफी परेशानी पैदा कर सकती है।

कैसे होती है यह समस्या

यह कोहनी के बल गिरने या कोहनी में चोट लगने से हो सकती है। यह समस्या मोच और हड्डी या जोड़ के उखड़ जाने से भी हो सकती है। इससे रोगी को और अधिक पीड़ा होने और उसकी स्थिति और खराब होने की आशंका होती है। इसलिए ऐसी किसी भी तरह की चोट के इलाज के लिए ऑथरेपेडिक विशेषज्ञ से परामर्श लेना बेहतर है।

कैसे होता है इलाज

एक्स -रे, सीटी स्कैन और एमआरआई स्कैन हड्डियों की पूरी तस्वीर और नुकसान की स्थिति को दिखा सकते हैं। यदि हड्डियों को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा हो तो जल्द मूवमेंट पर बल दिया जाता है।

विशेषज्ञ के पास ही जाएं

हड्डियों को सही स्थिति में एकजुट करने के लिए किसी विशेषज्ञ के द्वारा सर्जरी कराना जरूरी है। जोड़ों की हड्डियों को सही तरह से फिट किया जाना जरूरी है। कोहनी के फैक्चर कई तरह के होते हैं, इसलिए सर्जरी कराने से पहले विशेषज्ञ द्वारा सही पहचान किया जाना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। बच्चों के मामले में बढ़ रही हड्डियों की बदलती संरचना और फैक्चर की नाजुक हालत के कारण उनकी कोहनी की जांच के अधिक मुश्किल होने के कारण यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। ऑस्टियोपोरोसिस से ग्रस्त महिलाएं, बच्चे और बूढ़े लोगों की हड्डियां कमजोर होती हैं और उनके भंगुर होने की आशंका अधिक होती है। इसलिए ऐसे लोगों को तो समय रहते इस बात पर और अधिक ध्यान देना चाहिए।

नहीं झडेंगे बाल न ही होंगे सफेद

शहरी जीवनशैली के कारण लोगों में तनाव इतना अधिक रहता है कि उसका असर बालों तक पर देखने को मिलता है। किसी के बाल झड़ने लगते हैं तो किसी के सफेद होने लगते हैं। लेकिन योग कि कुछ क्रियाएं ऐसी समस्याओं से आपके बालों की रक्षा कर सकती हैं।

बालों का झड़ना तथा उनका असमय सफेद होना आज एक बहुत बड़ी समस्या बन गई है। कम उम्र में ही, यहां तक कि बच्चों में भी यह समस्या देखने को मिल रही है। आज की तनावमय, यांत्रिक तथा अप्राकृतिक खान-पान वाली जीवनशैली ही इस समस्या के लिए उत्तरदायी है। यौगिक क्रियाओं के नियमित अभ्यास से इस समस्या का स्थायी समाधान सम्भव है।

आसन

आसनों के अभ्यास से बालों की गम्भीर से गम्भीर समस्या का निदान संभव हो जाता है। यह इस समस्या के मूल कारण-रक्त संचालन दोष, पाचन दोष तथा ग्रंथियों के श्राव के रुकावट को दूर करता है। इसके लिए महत्वपूर्ण आसन हैं-सर्वांगासन, हलासन, शीर्षासन, ताड़ासन, पादहस्तासन, भुजंगासन, धनुरासन आदि। आठ वर्ष की आयु से अधिक के बच्चों को सूर्य नमस्कार का प्रतिदिन अभ्यास कराना चाहिए।

त्रिकोण शिरासन की अभ्यास विधि

दोनों पैरों को आपस में जोड़ कर खड़े हो जाएं। दो गहरी श्वास-प्रश्वास लें। इसके बाद दोनों पैरों को अगल-बगल तीन से चार फिट तक फैलाएं। अब अपने दोनों हाथों को पीठ के पीछे नमस्कार की मुद्रा में रखें। फिर धीरे-धीरे आगे की ओर इतना झुकें कि सिर का ऊपरी भाग जमीन पर आ जाए। इस स्थिति में श्वास-प्रश्वास सामान्य रखते हुए आरामदायक अवधि तक रुकें। फिर पूर्व स्थिति में आएं। उच्च रक्तचाप, हृदय रोग से पीडित लोग इसका अभ्यास योग्य मार्गदर्शन में करें।

विशेष

सर्वांगासन के नियमित अभ्यास से इस समस्या का पूर्ण समाधान हो जाता है। अभ्यास योग्य मार्गदर्शन में करना चाहिए। इसके अभ्यास के बाद भुजंगासन, धनुरासन या मत्स्यासन अवश्य करें।

प्राणायाम

बालों की समस्या के समाधान में प्राणायाम बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके लिए महत्वपूर्ण प्राणायाम हैं नाड़ी शोधन तथा उज्जायी।

उज्जायी प्राणायाम की अभ्यास विधि

किसी भी आसन में बैठ जाएं। रीढ़, गले व सिर को सीधा करें। विशेष स्थितियों में कुर्सी पर बैठ जाएं। श्वास नली को थोड़ा संकुचित कर एक गहरी तथा धीमी श्वास नासिका द्वारा अन्दर लें तथा इसी नासिका द्वारा ही बाहर निकालें। इसी प्रकार इस क्रिया को 12 श्वास-प्रश्वास के साथ करें। धीरे-धीरे आवृत्तियों की संख्या बढ़ाते जाएं।

कैसा हो आहार- विटामिन-ए की अधिकता वाला भोजन अधिक लाभदायी होता है।

भोजन में बदलाव कर सकता है तनाव मुक्त

मेमेरी लॉस के लक्षण की शुरूआत 20 साल की उम्र से ही हो जाती है। तनाव के साथ-साथ इस समस्या के कई कारण होते हैं। कुछ चीजों को अपने रोजमर्रा के खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है। सही पोषक तत्व दिमागी स्वास्थ्य को सही रखने में बेहतर मदद करते हैं।

सौरभ बार-बार कबर्ड का दरवाजा खोल रहा था मगर उसे याद नहीं आ रहा था कि उसे क्या काम था। कभी वह अपनी कार की चाबी रख कर भूल जाता, तो कभी कोई दूसरा सामान। जिसे याद करने में उसे काफी वक्त लगता। हम में से काफी लोगों के साथ अक्सर ऐसा कभी न कभी होता है। हालांकि यह ज्यादा चिंता की बात नहीं है। हाल ही में एक रिसर्च में यह बात सामने आई हैं कि मेमेरी लॉस के लक्षण की शुरूआत 20 साल की उम्र से ही हो जाती है। तनाव के साथ-साथ इस समस्या के कई कारण होते हैं। रिसर्च में यह बात भी सामने आई हैं कि कुछ चीजों को अपने रोजमर्रा के खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है। सही पोषक तत्व दिमागी स्वास्थ्य को सही रखने में बेहतर मदद करते हैं। ऐसा भोजन जिसमें विटामिन ई, विटामिन बी-वन, बी-टू और विटामिन सी की भरपूर मात्रा मौजूद हो तो मस्तिष्क स्वस्थ रहता है।

विटामिन ई में मौजूद एंटी आक्सीडेंट मस्तिष्क में मौजूद न्यूरॉन्स या नर्व कोशिकाओं को सुरक्षा देता है। अलजाइमर जैसी बीमारियों में मस्तिष्क के कुछ भागों में न्यूरॉन्स खत्म होने लगते हैं। अगर यह लगातार खत्म होते जाते हैं, तो याददाश्त में विकृति आनी शुरू हो जाती है। आजकल की लाइफस्टाइल को देखते हुए हमें हेल्दी खाना खाने की ज्यादा जरूरत है। कुछ ऐसा खाना जिसमें विटामिन ई की मात्रा भी हो। जो मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में मदद करता है। ऐसा नहीं कि आप इसे खाने के साथ ही लें इसे कभी भी लिया जा सकता है। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि यह पका हुआ होना चाहिए। सूरजमुखी और तिल के बीज विटामिन ई के अच्छे स्रोत माने जाते हैं। एक आउंस सूरजमुखी के भुने बीज आपकी हर रोज की 30 प्रतिशत कमी पूरी कर देते हैं। इसे सलाद के ऊपर छिड़क कर खाने से मस्तिष्क को पोषण मिलता है। तिल के बीज में भी विटामिन ई की भरपूर मात्रा होती है। इसे आप सब्जी व दाल में खाने से पहले मिला सकते हैं। दही में मिलाकर भी खाने से फायदा होता है। सीताफल के बीज भी बेहद फायदेमंद होते हैं क्योंकि यह जिंक से भरपूर होते हैं।

आम में विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीआक्सीडेंट की भरपूर मात्रा होती है। इसके सेवन से दिल, मस्तिष्क और शरीर के दूसरे हिस्सों की मांसपेशियों में नर्व उत्तम को ताकत मिलती है। एवोकाडो फल में भी एंटीआक्सीडेंट, विटामिन ई और सी की उच्च मात्रा पाई जाती है। यह अलजाइमर जैसी बीमारी को बढ़ने से रोकने में कारगर होती है। मछली में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला प्रोटीन रेड मीट से ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक होता है। दूसरे कई प्रोटीन स्रोतों में हाई सेचुरेटेड फैट होता है। मगर इस बात का भी ध्यान रखें कि मछली की सारी प्रजाति आपके लिए लाभदायक नहीं होती। सॉलमन, मैकेरेल और टूना मछली में दिल को स्वस्थ रखने वाला ओमेगा-3 फैटी एसिड मौजूद होता है। साथ ही इसमें मौजूद डीएचए मस्तिष्क के न्यूरॉन्स को सामान्य रखने के लिए जरूरी तत्व होता है। मूंगफली और पीनट बटर में हेल्दी फैट के साथ-साथ प्रचुर मात्रा में विटामिन ई होता है। इसमें मौजूद फैट और विटामिन ई दिल और दिमाग दोनों को स्वस्थ रखता है और ठीक से काम करने में मदद करता है। दूसरे नट्स में बादाम, अखरोट और हैजेलनट भी ब्रेक को सही रखने में मदद करते हैं। रिसर्च में यह बात सामने आई है कि साबुत अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियां और नट्स दिमाग और दिल दोनों के लिए लाभदायक हैं।

पालक और ब्रोकोली भी एंटीआक्सीडेंट से भरपूर हैं। जब आप इन्हें पका कर खाते हैं तो इसका फायदा दुगुना हो जाता है। एक कप कच्चा पालक जहां हर रोज की विटामिन ई की जरूरत का 15 प्रतिशत पूरा करता हैं, वही आधा कप पका पालक 25 प्रतिशत। आप इन्हें हल्का फाई कर या स्टीम कर खा सकते हैं। हरी सब्जियां दिमाग को दुरूस्त रखने में मदद करती हैं। रिसर्च में पता चलता है कि स्ट्राबेरी, ब्लूबेरी और यहां तक अकाईबेरीज याददाश्त को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। ब्लूबेरीज दिमाग के लिए सबसे बेहतर मानी जाती है। हालांकि इसमें फाइबर उच्च मात्रा में होता है और ग्लाईसेमिक इंडेक्स कम होता है इसलिए यह डायबिटिज के मरीजों के लिए भी सुरक्षित है। यह फल शक्तिशाली एंटीस्ट्रेस फूड है। मगर सूखे और मीठे ब्लूबेरीज को ना खाएं।

संक्षिप्त समाचार

शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया

शंकर लहरे/ बागबाहरा (समय दर्शन)। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर उच्च. माध्यमिक विद्यालय, में छत्तीसगढ़ शासन एवं सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार 26 जून से सभी स्कूलों का नवीन शिक्षा सत्र 2024-25 का प्रारंभ हो गया है। नवीन शिक्षा सत्र के प्रथम दिवस के शुभ अवसर पर विद्यालय में शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया विद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने समस्त भैया/बहनों का चरण धोकर आरती, तिलक, अक्षत, पुष्प से स्वागत अभिनंदन किया गया। विद्यालय में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में उपस्थित माताओं एवं अभिभावकों का भी हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया गया। इस शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारतमाता, ओम व सरस्वती माता के चित्रों पर दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती मीना बेहरा, कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती सरिता नायक एवं विशेष अतिथि श्रीमती सरस्वती साहू, नम्रता साहू और कृतिका साहू उपस्थित रहीं। अतिथियों के परिचय के पश्चात उनका स्वागत विद्यालय की बहिन साधना देवांगन ने तिलक एवं श्रीफल भेंट कर किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीमती नायक ने सरस्वती शिशु मंदिर में दिए जाने वाले संस्कारों की सराहना की और उपस्थित सभी अभिभावकों से आग्रह किया कि वे भी अपने बच्चों को यहां प्रवेश करवाएं और आसपास के लोगों को भी प्रवेश हेतु प्रेरित करें। नवीन शिक्षा सत्र के कार्यक्रम में विद्यालय के नव पदस्थ प्राचार्य नंदूराम निर्मलकर का भी स्वागत विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य चंद्र शेखर साहू ने तिलक वंदन कर किया। प्राचार्य श्री निर्मलकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरस्वती शिक्षा संस्थान के तहत पांच आयाम, पांच आधारभूत विषयों को भैया/बहिनों के माध्यम से घर, समाज एवं परिवार तक पहुंचाना। शिक्षा के साथ संस्कार की महती आवश्यकता है। मोबाइल और टीवी से भैया बहिनों को दूर कर पांच आधारभूत विषय का पालन करवाना अनिवार्य है जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी सुरक्षित रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य अनिमेष शर्मा जी के किया उक्त कार्यकम में सभी आचार्य बंधु/भगिनी एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी भैया/बहिनों को प्रसाद वितरण कर बच्चो का मुंह मीठा कराया गया।

बारिश में नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग की तैयारी: मलेरिया से बचने कूलर व पानी टंकी को खाली रखें

दुर्ग/ नगर पालिक निगम ।निगम क्षेत्र में छूटे लोगों का आयुष्मान कार्ड बाटने की मुहिम शुरू हो रही है ।कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश पर नगर निगम एवं राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, इकाई फाइट दा बाईट-2024 एवं डेंगू नियंत्रण एव जागरूकता अभियान..स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा मितानिनों को ट्रेनर्स द्वारा दी गई जरूरी जानकारी,जन जागरूकता पर दिया जोर,जागरूकता अभियान कार्यक्रम इसके लिए 60 वार्डो में मुहिम चलाई जा रही है। इसके लिए मितानिन,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और निगम सुपर वाइजर को प्रशिक्षण दिया गया ।नगर निगम क्षेत्र में चलेगा अभियान मितानिन और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घूम घूम कर हितग्राहियों के घरों में जाकर आयुष्मान कार्ड बाटेंगी ।सरकार द्वारा अति गरीब और सामान्य वर्ग के सदस्यों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिलाने प्रत्येक वार्ड में न केवल सर्वे कराया कराया गया था, बल्कि मौके पर आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया गया ।सर्वे के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन नगरनिगम के मोतीलाल वोरा सभागार में किया गया इस समय आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कहा कि कार्ड का तीन तरह से लाभ लिया जा सकता है। सर्वेकर्ता कार्ड बनाने के साथ ही कार्ड की उपयोगिता को बताए। कार्ड बनाने के लिए सर्वेकर्ता को सूची भी उपलब्ध कराया गया है ।जिंसके आधार पर आयुष्मान कार्ड बनाया गया है ।अब आयुषमान कार्ड मितानिन, आंगनबाड़ी के कार्यकर्ता वार्डो के हितग्राहियों के घरो में जाकर निशुल्क आयुष्मान कार्ड बाटेंगी जाएगा ।कार्यक्रम के समय मौजूद स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,योगेश सूरे,स्वास्थ्य विभाग सीएमओ आफ्सि लकी दुबे,महिला बाल विकास अधिकारी अनिता सिंह के अलावा जिला स्वास्थ्य विभाग अमला व निगम स्वास्थ्य विभाग अमला सहित आदि मौजूद रहें ।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कार्यक्रम में बताया कि मलेरिया व डायरिया के नियंत्रण, रोकथाम और बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम ने कमर कस ली है। इसके लिए निगम अमला एवं जिला स्वास्थ्य विभाग अमला ने डेंगू मलेरिया नियंत्रण अभियान के दौरान लोगों को घर में रखे गमले की ट्रे, कूलर, फ्रिज, पानी की टंकी को खाली कर सुखाने के बाद उपयोग करने के बारे में जानकारी दी जाएगी।

रसोईयों का प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय सेजेस बागबाहरा में आयोजित किया गया

शंकर लहरे / बागबाहरा(समय दर्शन)। जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद मोहन राव सावंत के दिशानिर्देशन एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी कौशल वर्मा के मार्गदर्शन में विकासखंड बागबाहरा के विद्यालयों में कार्यरत रसोईयों का प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय सेजेस बागबाहरा में आयोजित किया गया। बच्चों के सुपोषण हेतु ताजा गरम,पौष्टिक भोजन मुहैया कराने शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के पूर्व ही रसोईयों को कीचन शेड की साफ सफाई,कीचन में सामग्रियों की उचित रखरखाव करने, एहतियातन विगत सत्र के बचे हुए खाद्य सामग्रियों/मसाले,हल्दी आदि सामानों को उपयोग पर न लाने,स्कूल खुलने से पहले ही मध्याह्न भोजन प्रदायगी व्यवस्था को व्यवस्थित दुरुस्त करने एवं शाला स्तर पर पोषण वाटिका/कीचन गार्डन बनाने आदि के लिए रसोईयों को कुशल मास्टर ट्रेनर्स गीता साहू व सीआर निषाद के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया ।प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित बीईओ केके वर्मा ने बच्चों का कतार में बिठाकर भोजन परोसना, खाने योग्य गरम भोजन, अत्यधिक गर्म भोजन बच्चों के पास न ले जाना, शारीरिक रूप से कमजोर अथवा अधिक उम्र वाले रसोइयों से गरम भोजन परोसने का कार्य न लिया जाना, किचन के भीतर बच्चों को प्रवेश न दिया जाना, किचन शेड विहीन की स्थिति में खुले स्थान पर भोजन तैयार करते समय स्वच्छता एवं सुरक्षा को ध्यान दिया जाना, योजना में सम्बद्ध किसी भी व्यक्ति या बच्चों को किसी भी प्रकार से दुर्घटना जैसे- विषाक्त भोजन सेवन या स्वास्थ्य से संबंधित किसी भी प्रकार की हानि होने की स्थिति में तत्काल प्राथमिक उपचार हेतु नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में अनिवार्य रूप से ले जाने संबंधी बातों को विस्तार से बताया गया ।प्रोजेक्टर के माध्यम से मास्टर ट्रेनरों द्वारा भोजन बनाने हेतु आवश्यक सावधानियों के संबंध वीडियो दिखाकर मार्गदर्शन किया गया ।सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी रामता मन्नाडे द्वारा प्रशिक्षण के समस्त उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत सुझाव दिया गया एवं रसोईयों से प्राप्त निवेदन का निराकरण करने एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु आश्वस्त किया गया ।उक्त प्रशिक्षण में बीआरसी केवल टण्डन, वरिष्ठ संकुल समन्वयक भूपेंद्र निराला,गुरुदत्त पटेल,देव सिन्हा,गजानंद दीवान,लखविंदर छाबड़ा सेजेस मास्टर ट्रेनर गीता साहू,छोटू निषाद,कचरा चंद्राकर अध्यक्ष रसोइयां संघ बागबाहरा आदि उपस्थित रहे।

हमने बनाया था हम ही उजड़ेंगे

पूंजीवाद व्यवस्था में कब्रिस्तान भी उजड़ेंगे

बिलासपुर (समय दर्शन)। हमने बनाया है हम ही सवारेंगे जब हम यह कहते हैं तो एक छुपा हुआ अधिकार हम और ले लेते हैं हम ही उजड़ेंगे। चांटीडीह क्षेत्र में इस समय जो कुछ हो रहा है उसका इशारा तो लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान ही दे दिया गया था। जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री चुनाव प्रचार के लिए बिलासपुर आए थे और बिलासपुर के नेताओं ने तीन दर्जन से अधिक जेसीबी सड़क के दोनों और खड़ी करके अपने स्टार प्रचारक का स्वागत किया था। शहर की जनता को तभी समझ जाना था कि आने वाला समय शहर में कहां क्या दिखाई देगा सवाल इस बस्ती में बने हुए वैध-अवैध मकान का नहीं है। वे तो तोड़ दिए गए जो कुछ बचे हैं वे भी टूट जाएंगे। पर एक प्रश्न कोई उठा नहीं रहा है और वह प्रश्न है की तीन दशक से अधिक समय से लगातार आकार लेने वाले इस वोट बैंक को जिन हाथों ने सिंचा सामान्य जनता की टैक्स की कमाई को इस क्षेत्र में जन सुविधा देने में लगाया लोकार्पण का सुख उठाया और उन लोकार्पण कार्यक्रमों से वोट खड़ा किया। क्या आज उनकी कोई जवाब दे ही नहीं बनती ऐसा नहीं है कि नेता पहली बार अपने वादे से पीछे हट गए। उसके पहले भी रिवर रोड के पीछे चांटापारा की बस्ती ऐसे ही उजाड़ दी गई थी। सरकारी जमीनों पर स्थानीय नेता स्थानीय प्रशासन की अघोषित शह के बिना कब्जे होते ही नहीं है। जब अवैध कब्जे होते हैं तब निश्चित ही उसे समय अपनी प्रासंगिकता होती है किसी को इन बस्तियों से लाभ प्राप्त करना होता है। जब प्रासंगिकता खत्म हो जाती है तब हमने बनाया था हम ही सवारेंगे इन दो लाइन के बीच में छिपे हुए अक्षर अर्थ लेते हैं हम ही उजड़ेंगे। एक समय एक दार्शनिक ने कहा था बस्ती तो एक ही है जो बस जाती है तो उजड़ती नहीं कब्रिस्तान उसे क्या पता था पूंजीवाद की संस्कृति कब्रिस्तान को भी उजड़ने से नहीं छोड़ती आज हम ऐसे ही पूंजीवादी व्यवस्था में बदकिस्मत सांसे ले रहे हैं।

भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने ली लोकसभा समीक्षा बैठक

शंकर लहरे/ सरायपाली(समय दर्शन)। भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव एवम जिला संगठन प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्राही के द्वारा आज विधानसभा स्तरीय लोकसभा चुनाव की समीक्षा एवम पार्टी के आगामी कार्यक्रमों के संबंध में बैठक सिमरन पैलेस में हुई । जिसमे सरायपाली विधानसभा कोर ग्रुप के समस्त सदस्य, विधानसभा प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। उक्त बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश उपध्यक्ष श्रीमती सरला कोसरिया, पूर्व विधायक राम लाल चौहान,कार्यकरी जिला अध्यक्ष संजय शर्मा ,वरिष्ठ भाजपा नेता छत्तर सिंह नायक,वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष विपिन उपोवेज, नगरपालिका अध्यक्ष चंद्रकुमार पटेल,ओबीसी मोर्चा प्रदेश मंत्री कामता पटेल, जिला सह कोषाध्यक्ष धनेश नायक,विजय प्रधान, मंत्री प्रधान,मंडल अध्यक्ष प्रदीप साहू,संजय डडसेना, विद्या चौधरी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती कुमारी भास्कर, पार्षद स्वर्ण सिंह सलूजा,गुंजन अग्रवाल , बंशी चंद्रा,प्रमोद सागर, आशीष दास,रविंद्र पंडा, अख्तर,मुरली नायक मीडिया प्रभारी विदित धनानियां शामिल रहे।

एचडीएफसी बैंक ने एमएसएमई को विशेष ज्ञान सत्रों (विशेष नालेज सेशन) के साथ सशक्त बनाया

मुंबई, : विश्व एमएसएमई दिवस से पहले आज भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है जिससे दूर-दराज के क्षेत्रों में व्यवसायों को प्रोत्साहन दिया जा सके। अभियान का उद्देश्य विभिन्न बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं, एमएसएमई के लिए सरकारी नीतियों के बारे में जागरूकता फैलाना और उन्हें अपने व्यापारिक व्यवहार में डिजिटलीकरण अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। अभियान के हिस्से के रूप में, बैंक कार्यशील पूंजी ऋण, व्यवसाय ऋण, व्यवसाय कार्ड, व्यापार सेवाओं और दुकानदार ओवरड्राफ्ट पर कई तरह के ऑफर प्रदान करेगा। बैंक एचडीएफसी स्काई, एचडीएफसी एर्गो, निवा बूपा जनरल इंश्योरेंस, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस और आदित्य बिरला जनरल इंश्योरेंस सहित अन्य के साथ साझेदारी में वर्चुअल और ऑन-द-ग्राउंड नॉलेज सेशन भी चलाएगा। व्यवसायों के डिजिटल परिवर्तन पर आधारित ये सत्र निम्नलिखित 15 शहरों इंदौर, सूरत, रुड़की, नासिक, लुधियाना, रायपुर, देहरादून, कोयंबटूर, वाराणसी, विजाग, पटना, नागपुर, कानपुर, हुबली और गुवाहाटी में होंगे, जहां 1,000 से अधिक छोटे और मध्यम व्यवसायों को आमंत्रित किया जाएगा। इस अवसर पर, बैंक ने एमएसएमई को अपने बैंकिंग पार्टनर के रूप में एचडीएफसी बैंक पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद देते हुए एक विशेष फिल्म जारी की है। एचडीएफसी बैंक के समूह प्रमुख - वाणिज्यिक और ग्रामीण बैंकिंग (सीआरबी) श्री राहुल श्याम शुक्ला ने कहा, एमएसएमई उद्यमी अपनी दृढ़ता और उद्यम के माध्यम से भारत की आर्थिक वृद्धि को आकार देने में एक मजबूत भूमिका निभाते हैं। एचडीएफसी बैंक जीडीपी, निर्यात और सबसे महत्वपूर्ण रूप से रोजगार सृजन में उनके योगदान को मान्यता देता है। सूचना तक पहुँच की कमी के कारण बड़ी संख्या में सूक्ष्म उद्यम ऋण के लिए पात्र होने के बावजूद ऋण के लिए आवेदन नहीं करते हैं। हम 700 से अधिक जिलों में सेवाएँ प्रदान करके, विभिन्न सरकारी योजनाओं पर शिक्षा प्रदान करके और फर्म के आकार, मूल्य वर्धित, व्यापार ऋण तक पहुँच जैसे सामान्य मूल्यांकन मानदंडों से परे जाकर एमएसएमई की वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करना जारी रखते हैं।

आरडी बर्मन के साथ फिर से संगीतमय हो जाएं: एयरटेल डीटीएच का उनके जन्मदिन पर विशेष कलेक्शन स्ट्रीम

नई दिल्ली। एयरटेल, प्रसिद्ध संगीतकार आर.डी. बर्मन को उनके जन्मदिन पर श्रद्धांजलि दे रहा है। आर.डी. बर्मन बॉलीवुड संगीत में एक ऐसे महत्वपूर्ण शख्सियत है जिन्होंने अपने अनोखे संगीत से कई बेहतरीन गाने बनाये जो आज भी लोगों की पसंद है। एयरटेल डीटीएच उनकी समृद्ध विरासत के सम्मान में, बॉली रेट्रो चैनल पर आरडी बर्मन के सबसे अधिक हिट गानों को पूरे दिन बिना विज्ञापन के स्ट्रीम करेगा। दम मारो दम, चुरा लिया है तुमने जो दिल को, महबूबा महबूबा, जैसे बेहतरीन गानों के जादू में एक बार फिर से खो जाने के लिए ट्यून इन करें। चाहे आप लंबे समय से उनके प्रशंसक हों या पहली बार उनके संगीत को सुन रहे हों, यह उत्सव निश्चित रूप से आपके हृदय और आत्मा को सराबोर कर देगा। आरडी बर्मन बर्मन की संगीत प्रतिभा का जश्न मनाने के लिए हमारे साथ जुड़ें और अविस्मरणीय धुनों से भरे पूरे दिन का आनंद लें। केवल एयरटेल डीटीएच के बॉली रेट्रो चैनल पर आयोजित इस संगीत महोत्सव में शामिल होने से न चूकें।

आम सूचना

दुर्ग,दिनांक 24/06/2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकारगण संध्या साव पति स्व. राजेन्द्र कुमार साव, उम्र 34 वर्ष, पुत्री सौम्या साव पिता राजेन्द्र कुमार साव उम्र 13 वर्ष द्वारा-संरक्षक माता संध्या साव निवासी-हाउस नं 22, 23, वार्ड नंबर 17 दुर्गा कालोनी, कादम्बरी नगर, दुर्गा मंदिर के पास, दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) की विधिक वारिसान है।

यह कि स्व. राजेन्द्र कुमार साव के नाम पर सिकोला कादम्बरी नाला के पास, (वार्ड नं 18) अंदर भाग दुर्ग-2 प ह नं 17, तहसील व जिला दुर्ग प्लाट क्रमांक 22 एवं 23 खसरा नं 296/130 जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्गफीट रकबा 111.52 वर्गमीटर एवं एल आई जी पी/302 (तीसरा तल) खसरा नं 252, हाउसिंग बोर्ड खम्हरिया भिलाई में सम्पत्ति स्थित है जिसे स्व. राजेन्द्र कुमार साव ने वर्ष 2018-19 में पंजीकृत वसीयतनामा निष्पादित कर मेरे नाम पर दर्ज कराया था । स्व. राजेन्द्र कुमार साव की मृत्यु दिनांक 20/06/2024 को हो चुकी है। मेरे एवं मेरी पुत्री सौम्या साव के अतिरिक्त उक्त सम्पत्ति पर और अन्य कोई व्यक्ति का नाम नही है उक्त वसीयतनामा के अनुसार स्व. राजेन्द्र कुमार साव की मृत्यु के पश्चात मै व मेरी पुत्री दोनों सम्पत्ति पर पूर्ण अधिकार रखते है।

अतः इस आम सूचना के माध्यम से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित चल-अचल सम्पत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, कोई निकाय आदि किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार ना करे, यदि इसके पश्चात भी ऐसा किया जाता है, तो वह अवैध एवं विधि विरूद्ध होकर शून्य होगा, जो कि मेरे पक्षकारगण पर बंधनकारी नही होगा।

सो सूचना जाने।

श्रीमती सुधा वर्मा
अधिवक्ता दुर्ग (छ.ग.)
मो. 9131552788
दुर्ग,(छ. ग.)
दिनाकः 24/06/2024

नाम परिवर्तन की सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राउलकुमार साहुलाल भिमटे पिता श्री साहुलाल भिमटे, उम्र 54 वर्ष, निवासी-एमआईजी 1/829, आमदी नगर हुडको, भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) का हूं. मैं सेंट्रल जी.एस.टी. एवं सेंट्रल एक्साईज विभाग में अधीक्षक के पद पर कार्यरत हूं। मेरे कक्षा दसवी एवं बारहवीं की अंकसूची में मेरा नाम भिमटे राउलकुमार साहुलाल (BHIMTE RAULKUMAR SAHULAL) दर्ज है तथा मेरे आधार कार्ड एवं पेनकार्ड में मेरा नाम राउलकुमार साहुलाल भिमटे (RAULKUMAR SAHULAL BHIMTE) दर्ज है तथा मेरे महाविद्यालय एवं सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम राहुलकुमार साहुलाल भिमटे (RAHULKUMAR SHAHULAL BHIMATE) दर्ज है । राउलकुमार साहुलाल भिमटे (RAULKUMAR SAHULAL BHIMTE), भिमटे राउलकुमार साहुलाल (BHIMTE RAULKUMAR SAHULAL) एवं राहुलकुमार साहुलाल भिमटे (RAHULKUMAR SHAHULAL BHIMATE) तीनो ही नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरा ही है परन्तु मेरा सही एवं वास्तविक नाम राउलकुमार साहुलाल भिमटे (RAULKUMAR SAHULAL BHIMTE) है इस कारण मैं अपने सर्विस रिकार्ड एवं समस्त शासकीय अर्धशासकीय अभिलेखों में अपना नाम राउलकुमार साहुलाल भिमटे (RAULKUMAR SAHULAL BHIMTE) दर्ज कराना चाहता हूं जिसके लिए मैं छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशन कराना चाहता हूं ।

आज दिनांक के पश्चात से मुझे राउलकुमार साहुलाल भिमटे (RAULKUMAR SAHULAL BHIMTE) के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जावे ।

दिनांक :- 26.06.2024
राउलकुमार साहुलाल भिमटे
(RAULKUMAR SAHULAL BHIMTE)

नाम परिवर्तन

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं भिलाई इस्पात संयंत्र में ओ.सी.टी. के पद पर कार्यरत हूं जिसके दस्तावेजों में मेरा नाम अंजली सोनकर पिता श्री रमेश कुमार सोनकर दर्ज है मेरा पर्सनल नं.406948 है। मेरे विवाह पूर्व मेरा नाम अंजली सोनकर (हछ्रस्रु स्ह्व्य्त्र) पिता श्री रमेश कुमार सोनकर था, मेरा विवाह दिनांक 23.11.2023 को श्री श्रीकांत राजपूत पिता श्री परमेश्वर सिंह राजपूत के साथ हुआ है। मेरे विवाह पश्चात मेरा नाम श्रीमती अंजली राजपूत (हछ्रस्रु ऋड्डद्भश्चह्वह्ल) पति श्री श्रीकांत राजपूत हो गया है और मुझे अब इसी नाम से जाना पहचाना व पुकारा जाता है । श्रीमती अंजली राजपूत (हछ्रस्रु ऋड्डद्भश्चह्वह्ल) एवं अंजली सोनकर (हछ्रस्रु स्ह्व्य्त्र) दोनो ही नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरा ही है परन्तु में अपने भविष्य के समस्त शासकीय, अशासकीय, अर्धशासकीय दस्तावेजों एवं प्रमाण पत्रों में अपना नाम श्रीमती अंजली राजपूत (हछ्रस्रु ऋड्डद्भश्चह्वह्ल) पति श्री श्रीकांत राजपूत, कराना चाहती हूं जिसके लिए छ.ग. के राजपत्र में प्रकाशन कराना चाहती हूं । अतः आज दिनांक के पश्चात से मुझे श्रीमती अंजली राजपूत (हछ्रस्रु ऋड्डद्भश्चह्वह्ल) पति श्री श्रीकांत राजपूत के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जावे जिसके आधार पर मैं अपने समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अशासकीय दस्तावेजों में अपना नाम सुधरवा सकूं।

श्रीमती अंजली राजपूत

॥ न्यायालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर पालिक निगम दुर्ग (छ0ग0) ॥

उदघोषणा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि छ. ग.शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर का पत्र क्रमांक एफ4-32/सात-1/2013 रायपुर दिनांक 08 जुलाई 2014 द्वारा छ0ग0 नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्ति (पट्टाधृति अधिकारों का प्रदाय किया जाना) अधिनियम 1984 के तहत प्रदत्त पट्टों का नवीकरण करने के निर्देष प्राप्त हुआ है। आवेदक बुटी गांड़ा पिता डाला गांड़ा निवासी वार्ड नंबर 22, धमधा नाका कैलाष नगर, दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग (छ0ग0) के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि भू-खण्ड क्रमांक 61 नजूल शीट नंगर 62 क्षेत्रफल 09.00 वर्गमीटर भूमि आवेदक नाम से प्रारूप ख में जारी किया गया था। आवेदक के द्वारा प?ट्टा नवीनीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा प्रकाशन से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 26/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

मुहर

प्राधिकृत अधिकारी
नगर पालिक निगम, दुर्ग
जिला- दुर्ग (छ0ग0)

॥ न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग, जिला दुर्ग ॥

उदघोषणा

रा0प्र0क. 202312103300005 / अ-27/वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रा.प्र.कं. 202312103300005/अ-27 आवेदक/आवेदिका लावन साहू पति स्व. दरबारी साहू, निवासी ग्राम रूदा, तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा मौजा ग्राम रूदा प.ह.नं.27 रा.नि.मं. अंजोरा (ख) तहसील व जिला दुर्ग स्थित खसरा नंबर 190/2, 197, 438/1 रकबा क्रमश 0.260, 0.070, 0.600,हे. भूमि जो कि आवेदक एवं अन्य सहखातेदार के नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज है । उक्त आवेदित भूमि का सहमति माध्यम से खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 05/07/2024 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं । समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 20/06/2024 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

जारी दिनांक- 20/06/2024
सुनवाई दिनांक- 05/07/2024

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग

!! न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला-दुर्ग !!

उदघोषणा

रा.प्र.क... ..../अ-74/वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक डिकेन्द्र कुमार श्रीवास्तव पिता स्व. शेष नारायण श्रीवास्तव निवासी म.नं. 16/3, गिरधारी नगर, स्वामी विवेकानंद नगर, दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा अपने पिता शेष नारायण श्रीवास्तव पिता स्व. कुंजबिहारी लाल श्रीवास्तव जो कि नगर पालिका निगम दुर्ग के लोक कर्म विभाग में माली (चतुर्थ श्रेणी) के पद से सेवानिवृत्त हो चुके थे। जिनकी मृत्यु दिनांक 26/03/2024 एवं माता श्रीमती मधुबाला श्रीवास्तव पति शेष नारायण श्रीवास्तव की मृत्यु दिनांक 27/02/2023 को हो चुकी है। मृतक के वैध वारिसान के रूप में एकमात्र पुत्र डिकेन्द्र कुमार श्रीवास्तव होने से मृतक के शासकीय देयकों के भुगतान हेतु आश्रिता प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 11/07/2024 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/06/2024 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

जारी दिनांक 26/06/2024
सुनवाई दिनांक 11/07/2024

मुहर

तहसीलदार,
दुर्ग

खबर-खास

नए थानेदार ने यातायात पर कसा शिकंजा पटाखा व खेल सालेंसर बुलेट का चालान

गरियाबंद (समय दर्शन)। सिटी कोतवाली में नवपदस्त थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव ने कमान सम्हालते हुए नगर के यातायात व्यवस्था को गंभीरता से लेते हुए रायपुर,छुरा और मैनपुर मार्ग में चलने वाले यात्री वाहन को व्यवस्थित करना ,बस स्टेंड से निकलकर धीरे चलने वाले वाहनों से होने वाले यातायात अव्यवस्था के साथ तेज गति से चलने वाले मोटरसाइकल वाहन चालक को समझाया देने के साथ खुले साइलेंसर के साथ पटाखा फोड़ने वाले बुलेट के प्रति चलानी कार्यवाही प्रारंभ कर दिए है।ज्ञात हो कि पिछले दिनों सिटी कोतवाली गणमान्य नागरिकों और कोतवाली प्रभारी की बैठक में नागरिकों द्वारा कोतवाली प्रभारी से अपील करते हुए निवेदन किया गया था की नगर के कुछ बुलेट चालक से लोगो को काफी परेशानी हो रही है।इस बात की गंभीरता से लेते हुए कोतवाली प्रभारी के द्वारा तत्काल एक्शन लेते हुए चार से पांच बुलेट के खिलाड़ी कार्यवाही किया गया जिसमे सायलेंशर खुले रखे थे और उन बुलेट के सायलेंशर से पटाखा चलाया जा रहा था।साथ ही नगर के बुलेट मेकेनिको को भी समझाया दिया जा रहा है जहा ऐसे बुलेट को मोर्डिफाई कर लोगो को परेशान किया जा रहा था।वही कोतवाली प्रभारी ओमप्रकाश यादव ने बताया कि ऐसे बुलेट के पकड़े जाने पर बुलेट चालक के साथ उस मेकेनिक के खिलाफ भी कार्यवाही किया जाएगा जहा से बुलेट को ऐसा बनाया गया है।

जिला स्तरीय महिला उत्पीड़न निवारण तथा अनैतिक व्यापार रोकथाम समिति की बैठक सम्पन्न

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला स्तरीय महिला उत्पीड़न निवारण तथा अनैतिक व्यापार रोकथाम सामिति की बैठक पुलिस अधीक्षक सभाकक्ष में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित कांबले की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री कांबले ने पुलिस विभाग के सभी थानों में अन्यत्र पलायन करने वाले तथा अन्य स्थान में ले जाने वाले व्यक्तियों का नाम,पता,उम्र,संपर्क नंबर, सभी का पंजी संधारण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। ताकि पलायन में गये व्यक्तियों को समय-समय पर दूरभाष के माध्यम से संपर्क किया जा सके।उन्होंने कहा कि सभी पंचायतों में पलायन से संबंधित कार्यशाला का आयोजन करें,थानों द्वारा ग्राम पंचायत संरक्षण बाल संरक्षण समिति का रजिस्टर का निरीक्षण करें।श्रम विभाग से समन्वय कर कार्य के लिए बाहर ले जाने वाले ठेकेदारों का लाइसेंस बनाये एवं समय-समय पर बैठक आयोजित करे।इसके अलावा अनाथ बच्चों की सूची तैयार करे एवं आवश्यकता अनुसार सभी बच्चों को संस्था में रखे,ढाबो में बालश्रम में लिप्त बच्चों की सूची तैयार करें। साथ ही जिले के प्रत्येक बालिका छात्रावासों का निरीक्षण करे यदि वहां कोई पुरूष कर्मचारी कार्यरत है तो उसके स्थान पर महिला कर्मचारियों की व्यवस्था करें।

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार पाण्डेय द्वारा 1 जुलाई 2024 से लागू होने वाले तीन नये कानून के बारे में जानकारी देते हुए सखी वन स्टॉप सेंटर के कर्मियों को जागरूकता अभियान के तहत प्रचार-प्रसार करने को कहा, सभी कार्यस्थलों पर गठित लैगिंक उत्पीड़न समिति की सूची चस्पा करे, महिलाओं के संबंध में कोई भी समस्या हो तो नि:शुल्क हेल्पलाईन नम्बर 181 में संपर्क करने हेतु निर्देशित किया गया।इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र चन्द्राकर,समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डीपी ठाकुर,उप पुलिस अधीक्षक निशा सिन्हा,जिला बाल संरक्षण अधिकारी,संरक्षण अधिकारी, केन्द्र प्रशासक,एवं महिला उत्पीड़न निवारण तथा अनैतिक व्यापार रोकथाम सामिति के सदस्य, चिकित्सा अधिकारी,महिला अधिवक्ता,लोक आस्था सेवा संस्थान के अध्यक्ष,अध्यक्ष स्वावलंबी महिला विकास समिति, अध्यक्ष खोज एवं जन जागृति जयंती जिला कार्यालय महिला एवं बाल विकास के नगर मैनपुर,एवं सामाजिक कार्यकर्ता अधिकारी,कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारियों ने स्वास्थ्य मंत्री को सौपा ज्ञापन

गरियाबंद (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारियों ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नगर आगमन के दौरान मुलाकात कर विधानसभा में घोषणा के 12 माह पश्चात भी नहीं मिली वेतन वृध्दि कर्मचारियों में शासन के रवैया से आक्रोश व्यक्त करते हुए ज्ञापन सौपे।

वही ज्ञापन लेते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जल्द ही मिलेगा 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि की खुशखबरी।राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को अभी तक 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि प्राप्त नहीं हुई है।ज्ञात हो कि, जुलाई 2023 में बजट सत्र के दौरान सभी विभाग के संविदा कर्मचारियों को 350 करोड़ रूपया 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि के लिए प्रदान किया गया था जो आज तक स्वास्थ्य विभाग के उक्त कर्मचारियों को अप्राप्त है।छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष अमृत राव भोंसले के नेतृत्व में एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमित मिरी एवं कौशलेश तिवारी के मार्गदर्शन में प्रतिनिधिमंडल द्वारा आज एक बार पुनः 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि एवं ग्रेड पे सहित 18 बिंदु ज्ञापन के बाबत स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से भेंट की गई।उन्हें बताया गया कि, पूर्व में भी इस बाबत निवेदन किया गया था जिसका निराकरण नहीं हुआ है। प्रतिनिधि मंडल के द्वारा बताया गया कि एनएचएम एवं एड्स नियंत्रण के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को एक सप्ताह के अंदर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन स्वास्थ्य मंत्री ने दिया है एवं कहा कि एन एच एम वालों को बहुत जल्द 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि की खुशखबरी मिलेगी और हड़ताल की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कर्मचारियों द्वारा 27 प्रतिशत वेतन नहीं मिलने के कारण उनमें आक्रोश है।आगामी दिनों में बड़ा आंदोलन करने की बात कहे।वही प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि उनका स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात बहुत सकारात्मक रहा है और इसमें एक सप्ताह के भीतर कार्यवाही करने का भरोसा भी दिया गया।गौरतलब है कि पिछली सरकार में जुलाई 2023 को अनुपूरक बजट सत्र में मुख्यमंत्री ने संविदा कर्मचारियों को 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि की घोषणा की थी उसमें से कई विभागों में को प्राप्त हो चुका है जबकि उपरोक्त संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को आज 12 माह बीत जाने के बाद भी इंतज़ार करना पड़ रहा है।ज्ञापन देने वालों में अमृत राव भोंसले जिलाध्यक्ष, एनएचएम प्रशांत अवधिया,डॉ शंकर पटेल,डॉ योगेंद्र रघुवंशी,भूपेश साहू,लम्बोदर महतो,कमलेश ढीढी, योगेश साहू,लालिमा साहू,कविता जगत,धीरज शर्मा,भारत ठाकुर,टिकेश साहू,टिकेश बांसकर,दीपेश टाँडी,सौरभ गुप्ता,एन कुमार साहू,तुमीत श्रीवास,नवीन नवरंगे,शेष सिन्हा संदीप वर्मा,लीलाराम साहू,रोहित साहू,मनीष ढांड़े, अनु विश्वकर्मा,विष्णु निषाद,लेखन साहू,उपस्थित रहे।

गरियाबंद में 7 जुलाई को निकलेगी भव्य रथयात्रा : जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल होने समिति ने विधायक जनक धुर्व को दिया न्योता

गरियाबंद। आगामी सात जुलाई को नगर में जगन्नाथ युवा समिति द्वारा जगन्नाथ जी की विशाल रथ यात्रा निकाली जाएगी।इसकी तैयारी में नगर के युवा एकजुट होकर जुटे हुए है।रथ यात्रा में बिंद्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव शामिल होंगे।बुधवार को गरियाबंद सर्किट हाउस में मुलाकात कर युवाओं ने उन्हे आमंत्रित किया। मौके पर विधायक जनक ध्रुव भी यथा संभव कार्यक्रम में शामिल होने का आश्वासन दिया।उन्होंने धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन को लेकर सराहना भी की।इस अवसर पर छगन यादव,प्रहलाद यादव लोकेश सिन्हा,पुरुषोत्तम सिन्हा,नटवर सिन्हा,अंकित सिन्हा,गब्बूं सिन्हा,नमन सेन,विवेक सिन्हा,राहुल सोनी,पंकज सिन्हाभोला सिन्हा पप्पू सिन्हा,विवेक साव,चीनू ठाकुर,शुभम यादव,रोहित धीवर,अभिषेक कंवर,कृष्णा ठाकुर,तुषार ध्रुव,शेष सिन्हा,राजू निषाद,बबलू धुर्वे,निक्की यादव,दीपेश यादव,बसंत यादव,देवेंद्र यादव,जय यादव,करण यादव, शिवा ध्रुव,श्रवण यादव,चंदन,भोज सेन,तिलक सेन, यशवंत सिन्हा,मेहुल पवार,अमन यदु,भावेश जांगड़े, विनोद ठाकुर,तन्मय साहू,नमन सिन्हा,अमान,अभिषेक दुबे,तेजू विश्वकर्मा,शिवम यादव,आदित्य दुबे,मोहित यादव,गौरव विश्वकर्मा,मानव निर्मलकर,ललित यादव, मुकेश यादव ,प्रेम यादव,शुभम निषाद,हेमंतनिषाद, उत्कर्ष गजेंद्र उपस्थित थे।

जिले के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से लाभांवित करने हेतु पंजीकृत किसानों का ई-केवाईसी, आधार एवं लैंड सिडिंग करवाना अनिवार्य

गरियाबंद (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत जिले के पात्र हितग्राहियों का ई-केवाईसी आधार एवं लैंड सीडिंग पूर्ण कराने हेतु कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देशन पर 26 जून से 30 जून 2024 तक ग्राम स्तरीय विशेष अभियान चलाकर शिविर का आयोजन किया जा रहा है।कृषि विभाग के उप संचालक चंदन राय ने बताया कि भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत जिले के समस्त पात्र पंजीकृत किसानों का ई-केवाईसी,आधार एवं लैंड सिडिंग करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। लंबित ई-केवाईसी आधार एवं लैंड सीडिंग पूर्ण कराने के लिए 30 जून 2024 तक विशेष अभियान चलाकर ग्राम स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है,ताकि समस्त पात्र हितग्राहियों को आगामी किस्त की राशि प्राप्त हो सके।सुलभ ई-केवाईसी हेतु पी.एम.किसान फेस एप उपलब्ध कराया गया है।ई-केवाईसी कराने हेतु पंजीकृत कृषक स्वयं पी.एम.किसान पोर्टल में जाकर फेस एप के माध्यम से अपने आधार कार्ड नंबर का सत्यापन कर सकते है अथवा लोक सेवा केन्द्र, लोक सेवा सेंटर्स, सी.एस.सी. के माध्यम से बायोमेट्रिक ई-केवाईसी अपडेट करा सकते हैं। शासन द्वारा निर्धारित नियमानुसार हितग्राहियों को आधार कार्ड नंबर को बैंक खाता नंबर से लिंक कराने के उपरांत आधार कार्ड नंबर का सत्यापन ई-केवाईसी के माध्यम से कराने पर ही किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की आगामी किस्त की राशि प्रदान की जायेगी।उन्होंने बताया कि ई-केवाईसी,लैंड सिडिग तथा आधार सिडिंग अपूर्ण होने के कारण से कई कृषकों को योजना के लाभ से वंचित होना पड़ रहा है।इसे ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग द्वारा स्थानीय बैंकों एवं च्वाईस सेंटर के सहयोग से विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने किसान भाईयों से अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में अपने ग्राम स्तरीय शिविर में आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड,बैंक पासबुक,ऋण पुस्तिका एवं आधार लिंक मोबाईल नंबर के साथ उपस्थित होकर केवाईसी आधार एवं लैंड सिडिंग सुधार करवा सकते है। जिन किसान भाईयों ने अभी तक पंजीयन नहीं करवाया है वे भी आवश्यक दस्तावेजों के साथ नवीन पंजीयन हेतु शिविर के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

!! न्यायालय तहसीलदार पाटन ज़िला दुर्ग छ.ग.!!

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण ब/121 वर्ष 2023

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक शीतकुमार विश्वकर्मा पिता स्व. बैशाखुराम साकिन ग्राम छाटा.. .प.ह.नं.21 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आवेदन पेश किया है कि अपने स्व. दादा रामचरण पिता घाषी की मृत्यु दिनांक 27/3/1955 को ग्राम छाटा तहसील पाटन जिला दुर्ग में मृत्यु होने का कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदक शीतकुमार विश्वकर्मा पिता स्व. बैशाखु साकिन ग्राम.छाटा प.ह.न.21 तहसील पाटन जिला दुर्ग द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखितः आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 03/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 18/6/2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी।

जारी दिनांक 18/6/2024

सुनवाई दिनांक 03/07/2024

मुहर — **नायब तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ. ग.)**

॥ न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ0ग0) ॥

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण क्रमांक 202406101500051 अ/74 वर्ष 2023-24

पक्षकार आदि बिल्डकॉन प्रो. शरद कंसल पिता बी.एल. कंसल जाति बनिया निवासी बैरन बाजार रायपुर मौजा ग्राम सांकरा तह. पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं द्वारा ग्राम सांकरा प0ह0न0 06 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है आदि बिल्डकॉन प्रो. शरद कंसल पिता बी.एल. कंसल जाति बनिया निवासी बैरन बाजार रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदक द्वारा अनावेदक के नाम हक एवं स्वामित्व की मौजा ग्राम सांकरा प.ह.नं. 06 तह. पाटन जिला दुर्ग में स्थित भूमि ख.न. 168 रकबा 0.34 हे.भूमि को उप-पंजीयक कार्यालय पाटन मे पंजीकृत बैनामा द्वारा दिनांक 03.05.2016 को क्रय किया गया है क्रय पश्चात् आवेदक उक्त भूमि पर कब्जा में चला आ रहा है किसी प्रकार का क्रय विक्रय संबंधी राशि बकाया नहीं है। उक्त भूमि का आवेदन के नाम पर प्रमाणी करण हो चुका है। जिसका रा.क. 148 वर्ष 2017-18 जिसका ऋण पुस्तिका प्रदान नहीं हेतु है। आवेदक द्वारा ऋण पुस्तिका प्राप्त किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया के आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्तानुसार द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 08/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/06/2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी ।

मुहर — **नायब तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ. ग.)**

॥ न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ0ग0) ॥

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण क्रमांक 202406101500050 अ/74 वर्ष 2023-24

पक्षकार आदि बिल्डकॉन प्रो. शरद कंसल पिता बी.एल. कंसल जाति बनिया निवासी बैरन बाजार रायपुर मौजा ग्राम सांकरा तह. पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं द्वारा ग्राम सांकरा प0ह0न0 06 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है आदि बिल्डकॉन प्रो. शरद कंसल पिता बी.एल. कंसल जाति बनिया निवासी बैरन बाजार रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदक द्वारा अनावेदक के नाम हक एवं स्वामित्व की मौजा ग्राम सांकरा प.ह.नं. 06 तह. पाटन जिला दुर्ग में स्थित भूमि ख.न. 169,187 रकबा 0.26, 0.43 हे.भूमि को उप-पंजीयक कार्यालय पाटन मे पंजीकृत बैनामा द्वारा दिनांक 03.05.2016 को क्रय किया गया है क्रय पश्चात् आवेदक उक्त भूमि पर कब्जा में चला आ रहा है किसी प्रकार का कय विक्रय संबंधी राशि बकाया नहीं है। उक्त भूमि का आवेदन के नाम पर प्रमाणी करण हो चुका है। जिसका रा.क. 150 वर्ष 2017-18 जिसका ऋण पुस्तिका प्रदान नहीं हेतु है। आवेदक द्वारा ऋण पुस्तिका प्राप्त किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया के आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्तानुसार द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 08/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/06/2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी ।

मुहर — **नायब तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ. ग.)**

// कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग //

- मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना -

क्रमांक / ज.प्र.वि./ 2024-25/ 5 — दुर्ग. दिनांक 26/06/2024

नगर पालिक निगम, दुर्ग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत साक्ष्य श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से नॉन एस.ओ.आर. दर पर निम्नांकित कार्य हेतु स्पीड पोस्ट/परिसर पोस्ट के माध्यम से निम्नांकित तिथि को निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि -	04/07/2024
निविदा प्रपत्र जारी करने की तिथि-	11/07 2024
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि-	18/07/2024
निविदा खोलने की तिथि-	19/07/2024

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रूपये लाख में
1.	समय-समय पर मांग के अनुसार विभिन्न प्रकार के पाईप फिटिंग्स सामग्री प्रदाय करने बाबत।	रु. 7,61,626/-

निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल **http//eproc.cgstate.gov.in** एवं विभागीय वेबसाइड **www.municipal corporationdurg.in** से भी डाउनलोड की जा सकती है ।

कार्यपालन अभियंता

॥ न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ0ग0) ॥

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण क्रमांक 202406101500048 अ/74 वर्ष 2023-24

पक्षकार आदि बिल्डकॉन प्रो. शरद कंसल पिता बी.एल. कंसल जाति बनिया निवासी बैरन बाजार रायपुर मौजा ग्राम सांकरा तह. पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं द्वारा ग्राम सांकरा प0ह0न0 06 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है आदि बिल्डकॉन प्रो. शरद कंसल पिता बी.एल. कंसल जाति बनिया निवासी बैरन बाजार रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदक द्वारा अनावेदक के नाम हक एवं स्वामित्व की मौजा ग्राम सांकरा प.ह.नं. 06 तह. पाटन जिला दुर्ग में स्थित भूमि ख.न. 177 रकबा 0.22 हे.भूमि को उप-पंजीयक कार्यालय पाटन मे पंजीकृत बैनामा द्वारा दिनांक 03.05.2016 को क्रय किया गया है क्रय पश्चात् आवेदक उक्त भूमि पर कब्जा में चला आ रहा है किसी प्रकार का कय विक्रय संबंधी राशि बकाया नहीं है। उक्त भूमि का आवेदन के नाम पर प्रमाणी करण हो चुका है। जिसका रा.क. 149 वर्ष 2017-18 जिसका ऋण पुस्तिका प्रदान नहीं हेतु है। आवेदक द्वारा ऋण पुस्तिका प्राप्त किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया के आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्तानुसार द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 08/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/06/2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी ।

मुहर — **नायब तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ. ग.)**

॥ न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ0ग0) ॥

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण कमांक 202406101500049 अ/74 वर्ष 2023-24

पक्षकार आदि बिल्डकॉन प्रो. शरद कंसल पिता बी.एल. कंसल जाति बनिया निवासी बैरन बाजार रायपुर मौजा ग्राम सांकरा तह. पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं द्वारा ग्राम सांकरा प0ह0न0 06 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है आदि बिल्डकॉन प्रो. शरद कंसल पिता बी.एल. कसल जाति बनिया निवासी बैरन बाजार रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदक द्वारा अनावेदक के नाम हक एंव स्वामित्व की मौजा ग्राम सांकरा प.ह.नं. 06 तह. पाटन जिला दुर्ग में स्थित भूमि ख.न. 170/2 रकबा 0.48 हे. भूमि को उप-पंजीयक कार्यालय पाटन में पंजीकृत बैनामा द्वारा दिनांक 03.05.2016 को क्रय किया गया है क्रय पश्चात् आवेदक उक्त भूमि पर कब्जा में चला आ रहा है किसी प्रकार का क्रय विक्रय संबंधी राशि बकाया नहीं है। उक्त भूमि का आवेदन के नाम पर प्रमाणी करण हो चुका है। जिसका रा.क. 151 वर्ष 2017-18 जिसका ऋण पुस्तिका प्रदान नहीं हेतु है। आवेदक द्वारा ऋण पुस्तिका प्राप्त किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया के आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्तानुसार द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था की आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण मे सुनवाई तिथि 08/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/06/2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी।

मुहर — **नायब तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ. ग.)**

॥ न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ0ग0) ॥

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण कमांक 202406101500047 अ/74 वर्ष 2023-24

पक्षकार आदि बिल्डकॉन प्रो. शरद कंसल पिता बी.एल. कंसल जाति बनिया निवासी बैरन बाजार रायपुर मौजा ग्राम सांकरा तह पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं द्वारा ग्राम सांकरा प.ह.न. 06 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है आदि बिल्डकॉन प्रो. शरद कंसल पिता बी.एल. कंसल जाति बनिया निवासी बैरन बाजार रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदक द्वारा अनावेदक के नाम हक एवं स्वामित्व की मौजा ग्राम सांकरा पहन 06 तह पाटन जिला दुर्ग में स्थित भूमि ख.न. 186, 188 रकबा 0.15, 0.23 हे. भूमि को उप-पंजीयक कार्यालय पाटन में पंजीकृत बैनामा द्वारा दिनांक 03.05.2016 को क्रय किया गया है क्रय पश्चात आवेदक उक्त भूमि पर कब्जा में चला आ रहा है किसी प्रकार का कय विक्रय संबंधी राशि बकाया नहीं है। उक्त भूमि का आवेदन के नाम पर प्रमाणी करण हो चुका है। जिसका रा.क. 152 वर्ष 2017-18 जिसका ऋण पुस्तिका प्रदान नहीं हेतु है। आवेदक द्वारा ऋण पुस्तिका प्राप्त किये जाने हेतु, आवेदन पेश किया गया के आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्तानुसार द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 08/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/06/2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी ।

मुहर — **नायब तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ. ग.)**

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक **16.07.2024 17:30** तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:

सिस्टम निविदा क्र निविदा सूचना क्र./ दिनांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
सिस्टम निविदा क्र. 155169/निविदा सूचना क्र. 01/वलेलि/2024–25, दुर्ग दिनांक 25.06.2024	मरोदा जलाशय कमांक 02 में भरदा कोनारी एनीकट से जल आपूर्ति के कार्य अन्तर्गत रिसाली में विद्युत लाईन शिफ्टिंग एक्समर डी.पी. कार्य सरस्वती कुंज – अवधपुरी आशिष नगर टंकी मरोदा (डिजोजिट मद के अन्तर्गत)	रू. 75.60 लाख
सिस्टम निविदा क्र. 155241/निविदा सूचना क्र. 02/वलेलि/2024–25, दुर्ग दिनांक 25.06.2024	मरोदा जलाशय कमांक 02 में भरदा कोनारी एनीकट से जल आपूर्ति के कार्य अन्तर्गत बघेरा डी.सी. में विद्युत लाईन शिफ्टिंग एक्समर डी.पी. कार्य हनोदा चौक से धनोरा चौक तक (डिजोजिट मद के अन्तर्गत)	रू. 42.56 लाख
सिस्टम निविदा क्र. 155242/निविदा सूचना क्र. 03/वलेलि/2024–25, दुर्ग दिनांक 25.06.2024	मरोदा जलाशय कमांक 02 में भरदा कोनारी एनीकट से जल आपूर्ति के कार्य अन्तर्गत बघेरा डी.सी. में विद्युत लाईन शिफ्टिंग एक्समर डी.पी. कार्य धनोरा चौक से छत्तीसगढ फर्नीचर तक (डिजोजिट मद के अन्तर्गत)	रू. 28.22 लाख
सिस्टम निविदा क्र. 155243/निविदा सूचना क्र. 04/वलेलि/2024–25, दुर्ग दिनांक 25.06.2024	मरोदा जलाशय कमांक 02 में भरदा कोनारी एनीकट से जल आपूर्ति के कार्य अन्तर्गत बघेरा डी.सी. में विद्युत लाईन शिफ्टिंग एक्समर डी.पी. कार्य चन्द्रखुरी रोड से धनोरा रिसाली रोड तक (डिजोजिट मद के अन्तर्गत)	रू. 20.50 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **02.07.2024** समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

G- 242500616/3

कार्यपालन अभियंता तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग छ.ग.

पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रायपुर में हुआ संपन्न

रायपुर (समय दर्शन)। पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रियल कोम्बो रेस्टोरेंट रायपुर में प्रदेश अध्यक्ष सेवक दास दीवान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में संघ के विस्तार, संगठन को मजबूत करने, प्रत्येक जिले में गठित किये जाने, पत्रकार साथियों के हित संवर्धन व सुरक्षा को लेकर पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किये जाने हेतु मुख्यमंत्री छ ग शासन से मुलाकात कर अवगत कराने संबंधी विषयों पर आवश्यक चर्चा की गई। स्वास्थ्य से संबंधित एवं अन्य विषम परिस्थितियों में श्रमजीवी पत्रकारों के सहयोग हेतु संघ की

ओर से पत्रकार कल्याण कोष की स्थापना की गई। बता दें कि, पत्रकार कल्याण महासंघ के तत्वावधान में आगामी 11 जुलाई को महासमुन्द जिले में सम्मान समारोह,20 जुलाई को कोंडागांव जिले में पत्रकार सम्मेलन,25 जुलाई को जिला दुर्ग में महिला सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में उपस्थित सदस्यों की सर्वानुमति से प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में रायपुर के पत्रकार साथी प्रदीप कुमार चौधरी को प्रदेश संगठन सचिव नियुक्त किया गया। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दिनेश नामदेव राजनांदगांव, दुर्ग जिलाध्यक्ष हनुमान नायक को संयुक्त रूप से दुर्ग संभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। श्रीमती गीतेश्वरी बघेल को दुर्ग जिला महासचिव की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में सभी जिलाध्यक्षों को 31 जुलाई तक जिला बॉडी का गठन अनिवार्य रूप से किया जाना प्रस्तावित किया गया है।पत्रकार कल्याण कोष के लिए दिनेश नामदेव, इमरान पारेख, देवराज साहू के द्वारा सहयोग राशि प्रदान किया गया। उक्त बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश महासचिव प्रवीण खरे,आर बी वर्मा प्रदेश कोषाध्यक्ष,आर के दास प्रदेश सह सचिव, छत्तूराम नंद प्रदेश संरक्षक, प्रदीप चौधरी प्रदेश संगठन सचिव, उत्तर कुमार कौशिक प्रदेश कार्यसमिति सदस्य,दिनेश नामदेव प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, हनुमान नायक दुर्ग जिलाध्यक्ष, इमरान पारेख जिलाध्यक्ष कोण्डागांव,देवराज साहू जिला सचिव महासमुन्द,गीतेश्वरी बघेल,प्रभा देशलहरे , अमरनाथ सिंह, बलविंदर कौर,बी एल यादव वरिष्ठ पत्रकार गण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-खबर

सांकरा में मनाया शाला प्रवेशोत्सव

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय उच्च माध्यमिक शाला सांकरा शाला प्रवेश उत्सव मे रवि सिंगौर महामंत्री शामिल इस अवसर पर ओमप्रकाश चंद्राकर, सरपंच प्रतिनिधि यशवंत जांगड़े, सांसद प्रतिनिधि मनहरण सिंगौर,पूर्व सरपंच पुनीत पटेल, नेहरू तुरकारे सहित सभी सभी शिक्षक -शिक्षिका उपस्थित रहे श्री रवि सिंगौर सभी छात्र-छात्राओं को शाला प्रवेश उत्सव की बधाई शुभकामनायें देते हुए कहा की अनुशासन विद्यार्थी का सबसे बड़ा धन है सभी छात्र-छात्राओं को कठिन परिश्रम कर अच्छे अंको से उत्तीर्ण होने के लिए प्रेरित करते हुए कहा की जो सच्ची लगन से मेहनत करता है निश्चित रूप से सफलताएं उनको मिलता है साथ जिस विद्यार्थियों को को पढ़ाई करने में आर्थिक परेशानी हो रही है उसको पूर्ण सहयोग करने का भरोसा जताया।

विधायक डॉ .सम्पत अग्रवाल ने पर्रापाट निवासी को ईलाज कराने भेजा रायपुर

बसना (समय दर्शन)। बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल के द्वारा समस्त क्षेत्रवासियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए नीलांचल सेवा समिति निशुल्क एंबुलेंस सेवा एवं उपचार सेवा जारी किया गया है तथा समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर,नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाता है। जिसका लाभ क्षेत्रवासियों के साथ अन्य विधानसभा क्षेत्रवासी, प्रदेशवासियों सहित अन्य राज्यों के लोगों को भी मिल रहा है। विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने सड़क दुर्घटना में घायल ग्राम पर्रापाट निवासी शोभाराम सिदार को नीलांचल सेवा समिति के निशुल्क एंबुलेंस में बेहतर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसना से श्रीराम हास्पिटल रायपुर भेजें। जहां विषेशज्ञों की देख-रेख में उनका इलाज किया जाएगा।

फैक्ट्री के मशीन चोरी के आरोपियों को किया गया गिरफ्तार, खरीददार कबाड़ी को भेजा गया जेल

राजनांदगांव। 25 जून को थाना हाजिर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि कुतुलबोड़-भांटागांव में प्लाईवुड फैक्ट्री में काम करने वाले 3 कर्मचारी के द्वारा फैक्ट्री से बाट मशीन किमती 70000 रूपये को चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर अपराध कायम कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। उक्त घटना के संबंध में जिले के वरिष्ठ अधिकारीगणों को अवगत कराया गया एवं पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (आप्स) मुकेश ठाकुर, नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के दिशा-निर्देश पर थाना प्रभारी लालबाग निरीक्षक नंदकिशोर गौतम नेतृत्व में टीम गठित कर लगातार माल मुल्जिम का पता तलाश किया गया कि जरिये मुखबीर से सूचना मिला व एकत्र पुख्ता साक्ष्य एवं संदेह के आधार पर आरोपियों को हिरासत में लेकर हिकमत-अमली से पूछताछ करने पर चोरी करना स्वीकार किया एवं चोरी गये बाट मशीन को ममता नगर रोड रफीक कबाड़ी दुकान में बेचना बताये, जो मशीन को कबाड़ी दुकान से बरामद कर विधिवत जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी महेन्द्र कुमार तारम पिता इतवारी तारम, उम्र 27 वर्ष, निवासी कुतुलबोड़-भांठागांव थाना लालबाग, ईश्वरी ठाकुर पिता बुधराम ठाकुर, उम्र 44 वर्ष, निवासी चेंदीबन नवांगांव, थाना पिनकापार, मोहम्मद रफी उर्फमो. रफीक खान पिता मोहम्मद फारूख खान, उम्र 44 वर्ष, निवासी शंकरपुर, स्टेशन पारा, राजनांदगांव द्वारा जुर्म स्वीकार करने पर 26 जून 2024 को विधिवत गिरफ्तार कर ज्यूडिशियल रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है।

शाला प्रवेशोत्सव नये सत्र की नई शुरुआत में न्योता भोज के साथ शुभारंभ

बसना (समय दर्शन)। 'स्कूल आ पढ़े बर जिनगी ला गढ़े बर ' के उदघोष के साथ प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय धनापाली, संकुल- बाराडोली विकास खंड बसना मे शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि धनापाली के रूप मे सरपंच श्रीमती शकुंतला भुनेश्वर पटेल, विशिष्ट अतिथि उपसरपंच श्रीमती भूमिका राणा पूर्व जनपद सदस्य, श्रीमती राजकुमारी चौहान एवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्य तथा पालकगण उपस्थित थे।

सरपंच प्रतिनिधि भुनेश्वर पटेल ने अपने उदबोधन में बच्चों को कहा कि,शिक्षक बच्चों को गढ़कर सुरक्षित भविष्य की नींव तैयार करते हैं, बच्चे ही राष्ट्र के भावी कर्णधार हैं । इस अवसर पर नव

प्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर व मुँह मीठा कराकर प्रवेश दिया गया। अतिथियों द्वारा बच्चों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक, गणवेश का वितरण किया गया। सभी बच्चों को नियमित रूप से शाला आने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम को संकुल समन्वयक अनिल सिंह साव, प्रधान पाठक राजेन्द्र साहू एवं कृष्ण कुमार चौधरी ने भी संबोधित करते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए प्रेरणास्पद एवं ज्ञानास्पद बातें बताये।कार्यक्रम को सफल बनाने में शाला प्रबंधन समिति के सदस्य शिक्षक राजेश साहू, दिनेश बहादुर पेटल, नवल किशोर पटेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रवेश उत्सव कार्यक्रम कि सफल संचालन संकुल समन्वयक अनिलसिह साव ने किया।

इस दौरान सरपंच के द्वारा समस्त अतिथियों, पालकों एवं समस्त छात्रों को नेवता भोज देने पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ ।

अलेख महिमा धर्म के साधु संतों ने बसना विधायक डा.सम्पत अग्रवाल से किया भेंट मुलाकात

बसना (समय दर्शन)। श्री गुरू अलेख महिमा आश्रम बसना के संचालक महिमा सन्यासी बाबा उसत दास के मार्ग दर्शन में साधु संतों ने आश्रम की गतिविधियों मे गति प्रदान करने आश्रम परिसर में साधु संतों की मासिक बैठक आयोजित किया गया । क्षेत्र में अनवरत महिमा धर्म व सनातन के प्रचार प्रसार मे सभी संतों की भागीदारी सुनिश्चित करने अपील किया गया। छत्तीसगढ़ के वनांचल एवं उड़ीसा के दूर दूरांचल तक अलेख महिमा आश्रम बसना के भक्त वृन्द निवास करते हैं,,सभी भक्त व संतजन समय समय पर आयोजित यज्ञ अनुष्ठान मे भाग लेने व धर्म की रक्षार्थ गाँव गाँव में जाकर व्यशनमुक्त ग्राम निर्माण की परिकल्पना को साकार करने पुनर्जागरण महा अभियान का प्रचार प्रसार करते हुए गाँव की ओर चलें विषय पर सभी एक मत हुए । इस दौरान अलेख महिमा आश्रम सेवा समिति के पदाधिकारियों सोनू श्रीवास्तव, अनिल साव,अभय धृतलहरे, अभिमन्यु जायसवाल तथा बाबा उसत दास शिष्य वृन्द के साथ बसना विधायक एवं अलेख महिमा आश्रम बसना के संरक्षक डॉ.सम्पत अग्रवाल से भेंट मुलाकात कर बसना आश्रम से जुड़े सभी आश्रमों की आवश्यक देखरेख एवं सुरक्षा के मद्देनजर आवश्यक चर्चा परिचर्चा किये। विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने कहा कि, धर्म की रक्षा के लिए हम सदैव कृत संकल्पित है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी सभी धर्मों का बराबर सम्मान करते हैं, उसी दिशा मे चलते हुए बसना विधानसभा के सर्वांगीण विकास की कामना के साथ आगे बढ रहे हैं ।यह फलीभूत हो,,आप सभी साधु संतों का सदैव सम्मान है,,इसके लिए आप सभी का आशीर्वाद बना रहे। जिससे सभी साधु संत गदगद होकर डॉ.सम्पत अग्रवाल जी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अलेख महाप्रभु जी की जयघोष कर बारम्बार आशीर्वाद प्रदान किये । इस दौरान साधु संत महिमा सन्यासी बाबा उसत दास,महिमा सन्यासी बाबा बलराम दास, रमेश अग्रवाल,तेजकुमार प्रधान,महिमा भक्त वृन्द प्रमुख हेतराम, भक्त सालिकराम,भक्त पंचानंद, बैलोचन भक्त, टेकराम भक्त,भक्त देवानंद ,गोविंद बाबा, घसियादास दास,दुर्लभ दास, गणेश दास,अनादि भक्त, अंतर्यामी, कपूरचंद, अखिल , शुरूभक्त, राजकुमार, रवि भक्त, दुखुभक्त, शुकरू भक्त, मलियाभक्त, शाखाराम, सत्यनारायण, फूलचंद,जगतराम,ईश्वर, अवधूत, पृथ्वी, कृष्णो, आनंद, नकुल, रामदास,अमृत भक्त उपस्थित रहे।

स्कूल में शिक्षक की कमी, क्लास एक ओर दो के बच्चे सप्ताह में सिर्फतीन दिन जाते है स्कूल ,पी पी वन और टू के बच्चो की छुट्टी, बंद पड़े है क्लास रूम, पाटन स्कूल का मामला

बलराम यादव

पाटन। पाटन ब्लॉक मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल के प्राइमरी विंग में शिक्षक की कमी होने के कारण क्लास एक और दो के बच्चों को सप्ताह में तीन दिन स्कूल जा रहे हैं। वहीं प्राइमरी विंग पी पी 1 एवं पी पी 2 के बच्चों का तो छुट्टी ही है । पलक अभी तक बच्चों का एडमिशन जरूर कराएं हैं लेकिन स्कूल भेजने के लिए स्कूल प्रबंधन के मैसेज आने का इंतजार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि बच्चों का प्रवेश करने के बाद स्कूल खुलने की तैयारी में पालक अपने बच्चों के लिए स्टेशनरी, बैग ,कपड़े सहित जरूरी सामान खरीद कर बच्चों को स्कूल भेजा। लेकिन शिक्षक की कमी के कारण स्कूल प्रबंधन ने पी पी 1 एवं पी पी 2 के बच्चों का स्कूल बुलाना बंद कर दिया। वजह था शिक्षक की कमी। इसके अलावा क्लास वन एवं क्लास 2 के बच्चों को सप्ताह में तीन दिन ही स्कूल जाने को मिल रहा है। जब क्लास वन के बच्चे जाते हैं तो क्लास 2 के बच्चों की छुट्टी रहती है और जब क्लास 2 के बच्चे जाते हैं तो क्लास वन के बच्चों की छुट्टी रहती है। इस तरह

से बच्चों का भविष्य कैसे गाढ़ा जाएगा इसे लेकर भी अब पलक चिंतित है । पालकों ने जल्द से जल्द शिक्षक की व्यवस्था की मांग की है। जिससे कि नियमित रूप से स्कूल लगे और बच्चे लगातार स्कूल जाकर पढ़ाई कर सके ।

पाटन के स्वामी आत्मानंद स्कूल में इन दिनों शिक्षक की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बड़े क्लास को छोड़ दिया जाए तो सबसे ज्यादा परेशान छोटे बच्चे हो रहे हैं और उनके पलक भी परेशान है । बता दे की स्वामी आत्मानंद स्कूल पाटन में बच्चों को प्रवेश करने के लिए पालकों को काफी मशक्कत भी करनी पड़ी। आवेदन ज्यादा होने के कारण लॉटरी के माध्यम से बच्चों को प्रवेश दिया गया। लेकिन अब बच्चों के स्कूल खुलने के बाद पालक चिंतित नजर आ रहे हैं। क्योंकि प्री प्राइमरी विंग में पी पी 1 एवं पी पी 2 के बच्चों की तो अभी क्लास लगा शुरू ही नहीं हुआ है। उनके क्लासरूम में ताले लटके हुए हैं । वहीं क्लास वन एवं क्लास 2 के बच्चों को भी नियमित स्कूल नहीं बुलाया जा रहा है । स्कूल में शिक्षक की कमी होने के कारण अल्टरनेट व्यवस्था की गई है। जिससे कि सप्ताह में 3 दिन क्लास वन के बच्चे एवं शेष दिन क्लास 2 के बच्चे स्कूल जा रहे हैं। स्कूल प्रबंधन से जब पालकों ने पूछा तो स्कूल प्रबंधन के द्वारा शिक्षक की कमी का हवाला दिया गया। इसी लिए ऐसी व्यवस्था किए जाने की बात कही जा रही है।। इसके अलावा प्राइमरी विंग में एक महिला शिक्षक मैटरनिटी अवकाश पर है और एक शिक्षक जो यहां नियुक्त था वह भी अब अपना त्यागपत्र देकर निकल गए हैं । इसी वजह से इस वर्ष शिक्षक की कमी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

बैठने के जगह पर किताब का स्टोर - स्कूल पहुंचने पर जानकारी मिली की क्लास वन एवं क्लास 2 खुलता तो जरूर है लेकिन अभी एक ही रूम में अल्टरनेट दोनों क्लास के बच्चे बैठते हैं। वहीं क्लास वन पर देखा कि वहां पर बच्चों के बैठने की जगह पर किताबें रखी गई है।।

जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में मनाया गया योग दिवस

दुर्ग (समय दर्शन)। दसवें अंतराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024 को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय दुर्ग के सभाकक्ष में सुबह 07 बजे से 08 बजे तक योग का आयोजन किया गया जिसमें जिला सैनिक कल्याण अधिकारी एवं स्टाफ के साथ लगभग 52 भूतपूर्व सैनिक एवं उनके आश्रितों ने योग किया।

अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान, बिजली विभाग नहीं दे रहा ध्यान

बलराम यादव

पाटन।-क्षेत्र के अधिकतर गांव में बिजली विभाग द्वारा अघोषित बिजली के कटौती से लोग परेशान हो गए हैं, वर्तमान समय आधी बरसात व आधी गर्मी वाला दिन होने के कारण से उमस व गर्मी से लोग हलाकान है, वही खेती किसानी मे बहुत से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है,ब्लॉक मुख्यालय से 5 किलोमीटर दूर खम्हरिया सोनपुर सब स्टेशन के माध्यम से विभिन्न गांवों में बिजली की सप्लाई की जाती है जिसमे तरीघाट ,सोनपुर, सिपकोना , खम्हरिया, डंगनिया गांव शामिल हैं ,वर्तमान समय खेती किसानी का है और मानसून सक्रियता के साथ छत्तीसगढ़ पहुंच चूका है ,जिससे बारिश की शुरुआत हो गई है, इससे खेती किसानी मे काफी तेजी आई है किसान भाइयों द्वारा खरीफ फसलों के तैयार मे लग गए हैं थरहा व लाइचोपी की तैयारी की जा रही है साथ ही फसल की रोपाई के लिए खेतो को ट्रैक्टर के माध्यम से जुताई शुरू कर दी गई है ,लेकिन अघोषित बिजली के काटे जाने से खेतो मे पानी नहीं पल पा रहा ,विभाग द्वारा रात मे 5 बजे से 11बजे कटौती की जा रही है जो कि किसानों के लिए सरदर्द बन गया है वही दिन मे कइयों बाल बिजली गुल कर दिया जाता है,क्षेत्र के किसानों मे सरपंच अशोक साहू, मनोज निषाद,तजेंद्र

सिन्हा, भोज सिन्हा, निलेश,सिन्हा ,नरेश कुमार ने शासन प्रशासन से बिजली के सप्लाई को निरंतर जारी रखने की मांग रखी है

मौसम में उमस व बेचौनी से लोग परेशान, बिजली कटौती से कुलर ,पंखे बंद : अभी का समय आधी बरसात व आधी गर्मी भरा चल रहा है जिससे कि उमस बहुत ज्यादा बढ़ गया है , लोगों मे मौसम के असर के साथ गर्मी में बेचैनी नजर आ रही है, परंतु शरीर को आराम देने वाले कुलर ,पंखा बंद पड़ गए हैं लोगो को बहुत सारे परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है

मानसून आते ही खेती किसानी मे तेजी आ गई है : जून जुलाई लगते ही बरसात के दिन शुरू हो जाते हैं जिससे की खेती किसनी की शुरू हो जाती है अंचल के अनेक गांव में रोपाई की तैयारियां शुरू हो गई है जिससे लोग खेतो के ओर रूख कर रहे हैं ,लेकिन अघोषित बिजली कटौती से किसानों को परेशानी हो रही है खेतो मे पानी की सप्लाई नहीं हो पा रहा ,किसानों ने शासन प्रशासन से मांग रखी है कि बिजली कटौती बंद किया जाये व बिजली की सप्लाई निरंतर जारी रखें

कटौती लगातार जारी खेतो मे नहीं पहुंच रहा पानी : खरीफ फसलों की तैयारियों जोरो पर है अब किसानों को धान के फसल के लिए पर्याप्त पानी चाहिए, किसानों द्वारा नर्सरी की तैयारी की जा रही है, उसके साथ ही खेतों की मताई,जुताई शुरू हो गई है परंतु 5 बजे से 11रात बजे तक बिजली बंद रहती व दिन मे बार बार बिजली भी बंद कर दी जाती है जिससे आम लोगों के साथ किसानों को दिक्कतें आ रही है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26